कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | सोमवार 06 मई 2024 | वर्ष-07 | अंक-1019 | पृष्ठ-06

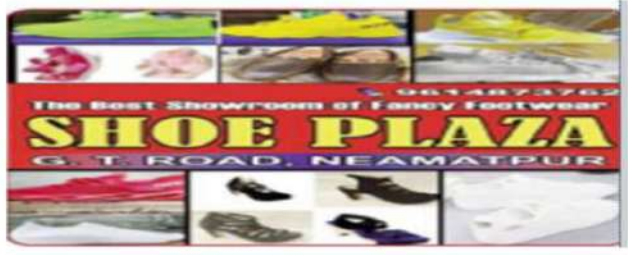

सन्देशखाली घटना पर बोली ममता बनर्जी, घड़ियाली आंसू बहाना बंद करे पीएम मोदी

कोलफील्ड मिरर 06 मई (बीरभूम): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीरभूम में चुनावी सभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने संदेशखाली, गौ तस्करी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधा।

तृणमूल सुप्रीमो सह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने पैसे के बल पर संदेशखाली का झूठ फैलाया। ममता बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घड़ियाली आंसू बहाना बंद करना चाहिए, क्योंकि बीजेपी की ओर से रची गई साजिश का खुलासा एक हालिया स्टिंग से हो गया है। तृणमूल ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। इसमें दावा किया गया कि यह उसके उस रुख की पुष्टि करता है कि संदेशखाली प्रकरण के पीछे बीजेपी का हाथ था।

तृणमूल ने कथित वीडियो जारी किया। इसमें संदेशखाली में बीजेपी के मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले गंगाधर कायल को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी का हाथ है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस की ओर से शेयरकिए गए वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की गई है।

बोलपुर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद शताब्दी रॉय के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि (इस) झूठ की साजिश बीजेपी ने रची और इसने कुछ लोगों को झूठ बोलने के लिए पैसे दिये।

उन्होंने दावा किया कि क्या कभी किसी ने सोचा था कि बीजेपी इतनी गिर जाएगी कि संदेशखाली पर अफवाहें फैलाएगी? ऐसे घृणित आरोप लगाकर पश्चिम बंगाल की माताओं का अपमान न करें। हमारी पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए पैसे की पेशकश करके राज्य की महिलाओं का अपमान करने का साहस मत करो।

अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में तत्पर सरकार बनर्जी ने आरोप लगाया कि वीडियो पर बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया देखकर यह साफ था कि वे डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अगर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं समेत किसी भी व्यक्ति ने कोई गलत काम किया है, तो पार्टी और राज्य सरकार हमेशा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में तत्पर रहती है, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों।

टीएमसी उम्मीदवार कृति आजाद के समर्थन में ममता ने की रैली

कोलफील्ड मिरर 06 मई (पानागढ़): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बर्दवान में जुलूस के बाद दुर्गापुर से वापस पानागढ़ जाते समय पानागढ़ बाजार चौराहे पर कार से उतरीं और भीड़ के बीच करीब 650 मीटर तक पैदल चलीं.

उन्होंने बर्दवान दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कीर्ति आज़ाद के समर्थन में पदयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान पानागढ़ के हजारों लोग ममता बनर्जी को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर इकट्ठा हुए थे.

अशानुल हक ने माध्यमिक परीक्षा में राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (मालदा): गाजोल ब्लॉक के बैरगाछी नंबर 2 गांव के रामनगर हाई मदरसा स्कूल बोर्ड के कृति छात्र अशानुल हक ने माध्यमिक परीक्षा में 771 अंक हासिल कर राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया। वह पढ़ाई में काफी अच्छे थे और उन्होंने कभी भी राज्य में पांचवीं रैंक हासिल करने के बारे में नहीं सोचा था। इस बीच, अशानुल हक के पिता दो साल से दिल का दौरा पड़ने के कारण घर में बिस्तर पर हैं। माँ एक बीड़ी मजदूर है, वह अपने परिवार के लिए थोड़ा बहुत कमा लेती है। आर्थिक अभाव के इस आलम में अशानुल हक किसी तरह अपनी पढ़ाई जारी रख सके। अशानुल हक पांच भाई-बहन हैं, वे चार बहनों में छोटे भाई हैं. इसके अलावा, अशानुल हक़ के चाचा और चाची उसकी पढ़ाई का कुछ खर्च भी देते थे। इस तरह अशानुल हक ने गरीबी में पढ़ाई कर माध्यमिक विद्यालय में अच्छे परिणाम प्राप्त किये।

अशानुल हक की उम्मीद नेट परीक्षा में दाखिला लेकर डॉक्टर बनने की है. क्योंकि घर पर पापा दो साल से बीमार हैं. गरीब परिवार में इलाज के लिए पैसे नहीं होते. इसी उद्देश्य से उनका लक्ष्य एक अच्छा डॉक्टर बनकर लोगों के बीच खड़े होकर लोगों की भलाई करना है।

इसलिए एक अच्छे चिकित्सा विभाग में अध्ययन के लिए बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है। इसलिए इस मामले को लेकर सरकार से आशा करते हुए हक ने विनम्रतापूर्वक अपने परिवार के लोगों समेत अनुरोध किया. अशानुल हक ने कहा कि अगर सरकार शिक्षा का खर्च मुहैया करा देती तो मेरा डॉक्टर बनने का सपना पूरा हो जाता.

हम कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहते थे, अधीर रंजन चौधरी जिम्मेदार- अभिषेक बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 06 मई (कोलकाता): तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में हम कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहते थे।

मैं इसके लिए खुद राहुल गांधी से मिलने दिल्ली गया था। सुबह 6 बजे उनके घर पहुंच भी गया, लेकिन बात नहीं बनी।

अभिषेक ने सीट शेयरिंग नहीं होने के पीछे कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा - अधीर पार्टी और हमारे नेताओं के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे थे। हमने महीनों इस पर चुप्पी साधे रखी। लेकिन कब तक इसे सहा जाता।

अभिषेक ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस से गठबंधन को लेकर हमारी पार्टी उत्सुक भी थी। हमने कांग्रेस को शीट शेयरिंग के लिए दिसंबर तक का वक्त भी दिया था, लेकिन हम ज्यादा इंतजार करने की स्थिति में नहीं थे। हमें चुनाव की तैयारी भी करनी थी।

ममता बनर्जी ने 24 जनवरी को ऐलान किया था कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, क्योंकि सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस ने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में 10 से 12 सीटों की मांग कर रही थी। जबकि टीएमसी केवल दो सीटें देने पर अड़ी रही। ये वही सीटें थीं, जिन्हें कांग्रेस ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में जीता था। कांग्रेस के अलावा बंगाल में लेफ्ट पार्टियां भी हैं, जो 28 दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं।

हालांकि ममता ने कहा था- मुझे इस बात की बिल्कुल चिंता नहीं है कि देश में क्या होगा, लेकिन हम सेक्युलर पार्टी हैं और बंगाल में हम अकेले भाजपा को हराएंगे। मैं अब भी इण्डिया का हिस्सा हूं।

देश में शांति प्रचार के लिए साइकिल से अकेले चुनाव प्रचार कर रहे निर्दलीय उम्मीदवार

कोलफील्ड मिरर 06 मई (मालदा): हरिश्चंद्रपुर/ वे न कोई नेता है, न कार्यकर्ता, एक पुरानी साइकिल ही है एकमात्र उम्मीद. उत्तरी मालदा लोकसभा क्षेत्र से 60 वर्षीय निर्दलीय उम्मीदवार नरेश पाल देश में शांति लाने के लिए साइकिल से अकेले प्रचार कर रहे हैं।

वह गेरुआ वस्त्र, नंगे पैर और एक पुरानी साइकिल लेकर इलाके के एक छोर से दूसरे छोर तक वोट के लिए प्रचार कर रहे हैं. उत्तरी मालदा के लोगों से उन्हें

उम्मीद है कि वे देश में शांति बहाल करने के लिए उन्हें वोट देंगे. इस साइकिल से भी उन्हें पूरा विश्वास है कि एक दिन वह संसद भवन तक पहुंचेंगे.

नरेश का घर मालदा के मंगलबाड़ी के बाचामारी इलाके में है. चंचला और हरिश्चंद्रपुर इलाके में प्रचार करते देखा गया. नरेश ने कहा, 'देश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा, लड़ाई-झगड़े, हत्या जैसी घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। यह देख कर मैं घर पर चुपचाप नहीं बैठ सका. केवल जनता ही हिंसा को रोक सकती है, इसलिए मैं जनता तक पहुंचने के लिए चुनाव प्रचार में उतरा हूं.' मैं सुबह साइकिल लेकर निकला. लोगों तक पहुंचें और उनसे गुब्बारा चुनाव चिह्न में मुझे वोट देने का अनुरोध किया।

हरिश्चंद्रपुर इलाके के रहने वाले मोहम्मद नूरुद्दीन ने कहा, "इतनी गर्मी के दिन में भी वह कभी साइकिल, कभी पैदल तो कभी अकेले चुनाव प्रचार कर रहे हैं. इसलिए इलाके के आम लोग हैरान हैं.

महिला सशक्तिकरण संगोष्ठी में भाग लेने कांथी पहुंचे केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 06 मई (खड़गपुर/ कांथी): पूर्व मेदिनीपुर जिला अंतर्गत कांथी संगठनात्मक जिले के कांथी स्थित भाजपा जिला कार्यालय में नारी सशक्तिकरण पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन, वरिष्ठ नेता उमेश राई, उत्तरी त्रिपुरा संगठनात्मक जिले के अध्यक्ष और त्रिपुरा विधायक काजल दास की उपस्थिति में आयोजित सेमिनार में केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी लखपति दीदी प्रकल्प पर महत्वपूर्ण विचार

व्यक्त किए गए। सेमिनार में कांथी संगठनात्मक जिला अध्यक्ष और दक्षिण कांथी के विधायक अरूप कुमार दास, जिला महासचिव और कांथी लोकसभा क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सौमेंदु अधिकारी, जिला महासचिव और खेजुरी विधानसभा विधायकशांतनु प्रमाणिक, भगवानपुर विधानसभा विधायक रवीन्द्रनाथ मैती, उत्तर कांथी विधानसभा विधायक सुमिता सिन्हा, जिला प्रभारी सोमनाथ राय, लोकसभा संयोजक अमलेंदु पहाड़ी, जिला महासचिव डॉ..चन्द्रशेखर मंडल, सांसद एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य दिब्येंदु अधिकारी, जिला महाप्रबंधक मानसी पडुया, राज्य समिति सदस्य तपन मैती, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष घनश्यामला दास सहित जिला पदाधिकारी एवं नेता भी उपस्थित थे।

उक्त सेमिनार में "लखपति दीदी" परियोजना पर केंद्रीय मंत्रियों और राज्य के नेताओं और जिला नेताओं और कार्यकारी अधिकारियों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई।

वक्ताओं ने कहा कि लखपति दीदी प्रकल्प "भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी द्वारा बनाई गई अद्भुत परियोजना है। प्रोजेक्ट "लखपति दीदी" भारत सरकार के केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इस योजना में सरकार महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर पैसा कमाने का अधिकार देती है, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकें। इस योजना के तहत महिलाओं को एलईडी बल्ब और भी बहुत कुछ बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह परियोजना स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित की जाती है।

फिरोज खान एफके को भारत का प्रतिष्ठित संगठन आर्थिक परिवर्तन परिषद का निदेशक बनाया गया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (आसनसोल): इंटरनेशनल सोशल एक्टिविस्ट, मशहूर इंटरनेशनल बिजनेसमैन और एफके ग्रुप के चेयरमैन फिरोज खान एफके जो भारत और दूसरे देश में बहुत सारे सेक्टर में बिजनेस के साथ-साथ अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के बहुत सारे सोशल एक्टिविटीज के साथ पूरे देश भर में सालो भर कार्य संचालन और उनपर का कंटिन्यू काम को देखते हुए और साथ ही साथ भारत के विदेश व्यापार को बढ़ावा देने में हमेशा अग्रणी रहते हैं, उनका पूरा प्रोफाइल देखते हुए, फिरोज खान एफके को भारत का प्रतिष्ठित संगठन आर्थिक परिवर्तन परिषद का सलाहकार समिति का निदेशक बनाया गया.

फ़िरोज़ खान एफके को इतना बड़ा पोस्ट मिलने से लोगो में बहुत ख़ुशी देखी जा रही है और शिल्पांचल के लोगो के साथ -साथ पुरे देश और विदेश से लोगो का मुबारकबादी की लाइन लग गई है।

फिरोज खान एफके ने बताया कि जिस तरह से ये ऑर्गनाइजेशन ने उन पर इतना अहम पद दे कर इज्जत और जिम्मेदारी दी है, जो इस जिम्मेदरी को पुरे दिल और मेहनत से निभाएंगे, जिससे ये ऑर्गनाइजेशन दुनिया में आगे बढेगा और साथ ही साथ इंडिया का व्यापार और उद्योग आगे बढ़ेगा, हर क्षेत्र में विकास हो और रोजगार का मौका बढ़े और देश की अर्थव्यवस्था अच्छी हो, जिसमे मेरा योगदान रहेगा।

पुलिस अधिकारियों ने इलाके में गश्त की और मतदाताओं को आश्वस्त किया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (बाँकुड़ा): जिले के पुलिस अधीक्षक वैभव तिवारी के नेतृत्व में केंद्रीय बलों सहित विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने इलाके में गश्त की। उनका एकमात्र उद्देश्य इस लोकसभा चुनाव में 2023 के पंचायत चुनावों की पुनरावृत्ति से बचना है। इस दिन जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में गश्त करने के साथ ही मतदाताओं को आश्वस्त किया और बूथों पर सुचारू रूप से जाने को कहा. बांकुड़ा के जिलाधिकारी सियाद एन ने कहा कि मतदाताओं को एक संदेश है कि शांति व्यवस्था कायम रखते हुए मतदान करें, प्रशासन हमेशा मतदाताओं के पक्ष में है. पिछले चुनाव में जिन स्थानों पर राजनीतिक हिंसा हुई थी, उन्हें ध्यान में रखते हुए प्रशासन सक्रिय है. बांकुरा जिले के पुलिस अधीक्षक वैभव तिवारी ने कहा, "हम उम्मीद कर रहे हैं कि हर जगह शांति होगी, हमने डेटा देखा है जहां पिछले चुनाव में परेशानी हुई थी, उन जगहों पर विश्वास बहाली का काम किया गया है।" सभी मतदाता भयमुक्त होकर मतदान कर सकें, किसी भी प्रकार की समस्या होने पर प्रशासन तत्पर है। इन सभी प्रशासनिक गतिविधियों के बाद शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव या पिछले पंचायत चुनावों की पुनरावृत्ति? सभी ने उसकी ओर देखा.

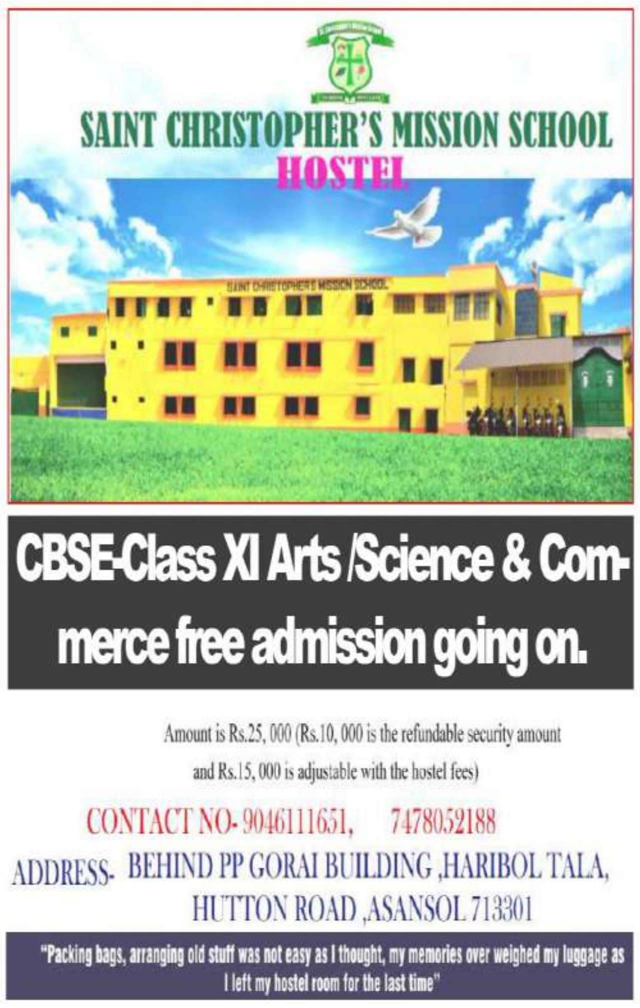

हम हिंदी भाषी मजदुर अपने खून पसीने से आसनसोल की धरती को सींचे है- विष्णुदेव नोनिया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (आसनसोल): नोनिया, चौहान बिंद, बेलदार केवट समाज के बैनर तले रविन्द्र भवन में तृणमूल उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा, राज्य मंत्री मलय घटक, जिला परिषद के उपाध्यक्ष विष्णुदेव नोनिया, उप मेयर अभीजित घटक सहीत नोनिया समाज के काफी सदस्य गण उपस्थित रहे।

मंच का संचालन करते हुए विष्णु देव नोनीया ने कहा कि हम सभी को मिलकर इस बार भी तृणमूल उम्मीदवार श्री सिन्हा को भारी मतों से जीत दिलानी है और आसनसोल का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिल्ली भेजना है।

उन्होंने कहा कि हम हिंदी भाषी मजदुर अपने खून पसीने से इस आसनसोल की धरती को सींचे है। कोयला खदानों में लोहा फैक्ट्रियों से रेल के हर पटरी में हमरा खून पसीना लगा है, जिसे भाजपा नित केंद्र सरकार निजी करण की ओर धकेल रही है, फिर से जमीदारी ठेकेदारी प्रथा लाने की जुगत में है।

उन्होंने जय श्री राम का नारा देते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम हब सबके मर्यादा है और हम सब उनकी संतान हैं, कुछ लोग उनके नाम पर सिर्फ अपनी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने समाज के नाम पर मांग किया कि नियामतपुर मे हमारे समाज का मंदिर मां वत्सला भवानी मंदिर व धर्मशाला निर्मानाधीन है, इसे पूर्ण करने के लिए सहयोग करे। वही हमारे समाज के नाम से बह रही नोनिया नदी का सरकारी रूपी नामकर्ण की जाय।

उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने सर्वप्रथम दुनिया समाज के लोगों का धन्यवाद देते हुए कहा या समाज ममता बनर्जी के ऊपर भरोसा करते हुए हमारे समर्थनमें जो यह कार्यक्रम क्या है उसका मैं तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि आप सब मुझे मिल आशीर्वाद करते हैं तो मैं आसनसोल के नेक ओर ईमानदारी पूर्वक कार्य दिल से करू गा साथ ही हमरी लड़ाई जुमले बाज सरकार से है। जो युवकों को रोजगार गारंटी के नाम पर पुरे देश को ठग रही है।

श्री घटक ने कहा कि नोनिया समाज एक मजदूर का समाज है हमारे आसनसोल को संवारने में इनका बहुत बड़ा योगदान रहा है परंतु या केंद्र की मोदी सरकार आरक्षण समाप्त करने की बात कह रही है जो दबे कुचले लोग को आरक्षण के कारण नौकरियां और पढ़ाई में काफी मदद मिलती है जिसे छीनने की बात कही जा रही है।

वहीं उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा को एक राम भक्त बताया उन्होंने कहा कि श्री सिंह के मुंबई के घर का रामायण है यह चार भाई इनके सबसे बड़े भाई का नाम राम यह सबसे छोटे हैं इनका नाम शुत्रुघ्न है साथ दिन ही दोनों बेटे का नाम लव कुश है।

वही मौके पर गुरदास चटर्जी, रुपेश यादव, सिंटू भुईया, गांधी नोनिया, सत्यनारायण चौहान, मनोज नोनिया, रंजित केवट, अमित चौहान, अमरदीप चौहान, रेणु देवी सहीत नोनिया समाज के बड़ी संख्या में महीला पुरूष उपस्थित रहे।

जामुड़िया के बेलबाद के जंगलो में आग लगने से इलाके में अफरा तफरी

कोलफील्ड मिरर 06 मई (जामुड़िया): राष्ट्रीय राजमार्ग 60 से सटे बेलबाद इलाके के जंगल में आग लगने से इलाके में अफरा तफरी मच गई। आग से तीन से चार हजार पेड़ जल गए। कई बीघे क्षेत्र में आग फैलने से इलाके में दहशत का माहौल है. रानीगंज फायर ब्रिगेड और सेम सेल प्राइवेट लिमिटेड की दो दमकल गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस जंगल की देखभाल की जिम्मेदारी संभाल रहे अनूप घोष ने बताया कि कुछ साल पहले ईसीएल की ओर से इस इलाके में पेड़ लगाए गए थे, इस आग की वजह से करीब 3 से 4 हजार पेड़ जल गए. भूतबंगला के स्थानीय निवासी स्वपन माझी ने कहा कि इस आग के परिणामस्वरूप जंगल का विशाल क्षेत्र पूरी तरह से नष्ट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप उनके क्षेत्र में प्रकृति का संतुलन नष्ट हो जाएगा सैमसेल प्राइवेट लिमिटेड के सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने प्रशासन से इस मामले की जांच करने का अनुरोध किया है कि आग कैसे लगीउन्होंने उन्हें बताया कि भूत बंगला इलाके के जंगल में आग लग गई है. वे तुरंत वहां पहुंचे और आग बुझाने लगे. फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इस आग के कारण बड़ी संख्या में पेड़ नष्ट हो गए हैं. रानीगंज अग्निशमन पदाधिकारी मानब कुमार सेन ने बताया कि आग कैसे लगी यह जांच के बाद समझ में आयेगा. हालाँकि, इस आग के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में पेड़ पूरी तरह से नष्ट हो गए।

पार्षद अशोक पासवान के नेतृत्व में चुनावी प्रचार अभियान चलाया गया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (बराकर): तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में नगर निगम के 66 नंबर वार्ड में पार्षद अशोक पासवान के नेतृत्व में प्रचार अभियान चलाया गया। इस संबंध में बताया जाता है कि जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है कर्मियों का उत्साह बढ़ता जा रहा है।

इसी दौरान आसनसोल नगर निगम के वार्ड नंबर 66 के पार्षद अशोक पासवान के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। उन्होंने बालतोड़या मुरली नगर शिव मंदिर रोड सहित विभिन्न इलाके में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा को वोट देने की अपील की। इस अवसर पर अशोक पासवान ने कहा कि राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। इसलिए शत्रुघ्न सिन्हा की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि हर घर की महिलाओं को लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ मिल रहा है। जिससे महिलाओं का भी भारी समर्थन तृणमूल को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस जनसंपर्क अभियान में भी महिलाएं सम्मिलित हुई है और तृणमूल के समर्थन में प्रचार कर रही है।

ईसीएल सीएमडी ने राष्ट्रीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान का स्मारिका का किया अनावरण

कोलफील्ड मिरर 06 मई (पांडवेश्वर): ईसीएल मुख्यालय सक्तोडिया में राष्ट्रीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान आसनसोल चैप्टर की स्मारिका का अनावरण ईसीएल के सीएमडी समीरन दता ने किया, इस अवसर पर वित निदेशक एमडी अंजार आलम, कार्मिक निदेशक आहुति स्वाइन, तकनीकी निदेशक संचालन नीलाद्री राय, कंपनी सचिव राम बाबू पाठक समेत विभागाअध्यक्ष और राष्ट्रीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान के कार्यकारी समिति सदस्य उपस्थित थी, सीएमडी ने संस्थान के विकास पर प्रकाश डाला, राष्ट्रीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान मानव संसाधन के प्रबंधन में लगे पेशेवरों के कौशल और विशेषज्ञता के विकास के लिए समर्पित है.

खुटटाडीह गांव में भाजपा कर्मियों पर हमला आरोप तृणमूल कांग्रेस पर

कोलफील्ड मिरर 06 मई (रानीगंज): जमुरिया विधानसभा के पांडवेश्वर थाना अंतर्गत खोट्टाडीही गांव में बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच पोस्टर लगाने को लेकर भाजपा कर्मियों की पीटाई आरोप तृणमूल कांग्रेस पर लगा भाजपा कार्यकर्ताओं ने दोषियों को सजा देने की मांग को लेकर पांडवेश्वर पुलिस थाने के सामने धरना प्रदर्शन आंदोलन किया, भाजपा नेता गौतम मंडल ने कहा कि आज शाम करीब साढ़े चार बजे श्यामला क्षेत्र के खोट्टाडीही गांव में भाजपा प्रत्याशी एसएस अहवालिया का चाय पे चर्चा कार्यक्रम होना था उस मौके पर बीजेपी कार्यकर्ता झंडा लगाने का काम कर रहे थे. उस समय जामुड़िया ब्लॉक 2 के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और जामुड़िया पंचायत समिति के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ राणा के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के उपद्रवियों ने उन पर हमला किया और उनके घर पर भी हमला किया जमुरिया पंचायत समिति के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ राणा, श्यामला ग्राम पंचायत के प्रधान ओशित मंडल और कई तृणमूल नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे, एक बीडीओ में साफ नजर आ रहा है हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं की गई है. भाजपा नेता गौतम मंडल ने भी कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी तक धरना जारी रहेगा.

ईसीएल विजिलेंस टीम ने राजमहल क्षेत्र में किया औचक सत्यापन कार्य

कोलफील्ड मिरर 06 मई (पांडवेश्वर): कोयला मंत्रालय के दिशा निर्देश और ईसीएल के चीफ विजिलेंस आफिसर की मार्गदर्शन में जीएम विजिलेंस के साथ एक टीम ने ईसीएल की बड़ी परियोजना राजमहल की दो दिनों में कोयला स्टॉक समेत तीन जगहों पर सत्यापन कार्य किया,

यह औचक सत्यापन कार्य को कोल इंडिया समेत सभी अनुषंगी कंपनियों में सतर्कता अभियान के तहत कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए किया गया,

कोयला का वजन करने वाले वेवब्रिज समेत बूम बैरियर की भी विजिलेंस की टीम ने सत्यापन किया, ईसीएल समेत सभी अनुषंगी कंपनियों में सत्यापन कार्य किया जा रहा है.

एसएस आहलूवालिया को पंजाबी मोड गुरुद्वारा में सम्मानित किया गया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (रानीगंज): भाजपा प्रत्याशी एसएस आहलूवालिया को रानीगंज के पंजाबी मोड गुरुद्वारा में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कीर्तन समागम का आयोजन हुआ ज्ञानी रविंद्र सिंह ने गुरु की वाणी कीर्तन के माध्यम से संगतो को सुना कर उन्हें निहाल किया।

इस मौके पर पंजाबी मोड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार इंद्र सिंह एवं महासचिव दारा सिंह ने एसएस अहलूवालिया को गुरु घर में सिरोपा पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। विभिन्न गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शिल्पांचल के सिख समाज के प्रमुख एवं तख्त श्री हरमंदिर साहिब पटना के पदाधिकारी सरदार हरपाल सिंह जोहल, रानीगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह बग्गा, बराकर गुरुद्वारा के सरदार दर्शन सिंह, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी दर्शन सिंह ने कहा कि हमें गुरु ग्रंथ साहिब जी को अपना गुरु मानते हुए अपना जीवन यापन करना है, इस क्षेत्र के विकास में जो भी प्रत्याशी अपनी सत प्रतिशत भूमिका निभाए एवं जनता की सभी समस्याओं का समाधान करें वैसे ही प्रत्याशी को समर्थन दिया जाना चाहिए। गुरु का लंगर का आयोजन हुआ। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि मैं अपने समाज के लोगों के साथ मेरा पुराना रिश्ता है यहां आने से मुझे काफी सहयोग मिल रहा है इस क्षेत्र के लोगों की सेवा करने का ईश्वर ने मुझे अवसर दिया है।

विशु लाहा का डेकोरेटर व्यवसाय आग की चपेट में

कोलफील्ड मिरर 06 मई (रानीगंज): राजपाड़ा स्थित लाहा डेकोरेटर का गोदाम भीषण आग लगने से जलकर राख हो गया। दोपहर करीब दो बजे आग लगी और गोदाम के चारों ओर आग फैल गई। दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई हैं. दोपहर के करीब घर के सदस्यों ने आग लगने की घटना की जानकारी कर्मचारियों को दी और तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी, आग तेजी से फैलने के कारण गोदाम के आसपास का सारा कीमती सामान आग की लपटों में जलकर राख हो गया। आग कैसे लगी इस पर अभी भी कोई निश्चित राय नहीं है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग कैसे लगी यह सीसीटीवी फुटेज से पता चलेगा, डेकोरेटर मालिक ने बताया. आग फैलने से गोदाम के चार-पांच कमरों तक आग फैल गयी. विशु लाहा के मुताबिक यह बहुत बड़ी घटना घटी है डेकोरेटर का सारा सामान जलकर राख हो गया करीब 25 से 30 लख रुपए मूल्य का नुकसान होने का अनुमान है.

भाजपा और टीएमसी दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू है- मीनाक्षी मुखर्जी

कोलफील्ड मिरर 06 मई (आसनसोल): इंडिया गठबंधन समर्थित माकपा प्रत्याशी जहांआरा खान के समर्थन में आसनसोल सिटी बस स्टैंड के समीप चुनावी सभा का आयोजन किया गया। सभा की मुख्य वक्ता वामपंथी नेत्री मीनाक्षी मुखर्जी थी। मौके पर माकपा के पार्थ मुखर्जी, डॉ. अरुण पांडेय, विनोद सिंह, सत्यजीत चटर्जी, जयदीप चक्रवर्ती, मैत्री दास, हेमंत सरकार, हेमंत मिश्रा और कांग्रेस के शशि दुबे, शाह आलम, प्रसेनजीत पुईतुंडी आदि मौजूद रहे।

मीनाक्षी मुखर्जी ने कहा भाजपा और टीएमसी दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू है। उन्होंने कहा कि आज देश में एक ऐसी सरकार चल रही है, जो लोगों की बुनियादी मुद्दों से कोई सरोकार नहीं रखती। उनके लिए रोजगार उपलब्ध कराना, महंगाई कम करना, कोई मुद्दा ही नहीं है। वह सिर्फ धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति करती है।

मीनाक्षी ने कहा भाजपा नित केंद्र सरकार राष्ट्रीय संसाधनों को बेच रही है। रोजगार के अवसर समाप्त होते जा रहे हैं। लेकिन भाजपा को सिर्फ कुछ पूंजी पतियों के हित की चिंता है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज पूरे देश के लोग परेशान हैं। उससे बचने का एक ही उपाय है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में जनता इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जहांआरा खान के समर्थन में मतदान करें और केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने में सहयोग करें। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि आज तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल का वह हाल कर दिया है कि बंगाल कई साल पीछे चला गया है। यहां पर भ्रष्टाचार एक नियम बन चुका है, जिसका सबसे बड़ा सबूत नियुक्ति घोटाले हैं। ऐसी एक भी नियुक्ति नहीं है जिसमें घोटाला नहीं हुआ हो। उन्होंने कहा कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस में कोई फर्क नहीं है।

आज का राशिफल

06 मई 2024
सोमवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में तालमेल बनाए रखें, नहीं तो समस्या हो सकती है। कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती हैं। मित्र कार्यक्षेत्र में पूरा साथ देंगे। मेहनत का फल मिलेगा।

वृषभ
दिन मिलाजुला रहेगा। खर्चा अधिक हो सकता है। वरिष्ठ सदस्यों से आज्ञा लेकर काम को करना बेहतर रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। बाहरी व्यक्ति के मामले में हस्तक्षेप ना करें।

मिथुन
दिन बढ़िया रहेगा। अति उत्साहित होने बचे। दूरसंचार के साधनों में वृद्धि होगी। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोग सावधानी बरतें। जल्दबाजी में संतान के करियर को लेकर फैसला ना करे।

कर्क
दिन अच्छा रहेगा। घर परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी साख चारों ओर फैलेगी। वाणी व व्यवहार पर में फोकस बनाए रखें। कोई करीबी भरोसे को तोड़ सकता हैं।

सिंह
दिन उत्तम रहेगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण बनाए रखें। घर में किसी अतिथि का आगमन होने से थोड़ा परेशान रहेंगे। कार्यशैली में रचनात्मकता बनी रहेगी।

कन्या
दिन सामान्य रहेगा। जल्दबाजी में किसी कार्य को करने से बचना होगा। कला कौशल में को बल मिलेगा। कुछ कानूनी मामले आपके पक्ष में रहेंगे। परिवारिक समस्याओं को किसी से उजागर ना करें।

तुला
दिन बढ़िया रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में आप मधुरता बनाए रखें। प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी। व्यर्थ के वाद विवाद में पड़ने से बचना होगा। किसी बाहरी व्यक्ति पर जल्दी भरोसा ना करें।

वृश्चिक
दिन शानदार रहेगा। धन-धान्य में वृद्धि होगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके अंदर बना रहेगा। अत्यधिक लाभ मिलने की संभावना है। ननिहाल पक्ष से धन लाभ मिलता सकता है। सेहत पर ध्यान दे।

धनु
दिन उत्तम रहने वाला है। पैतृक संपति संबंधित मामले का निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। सुख सुविधाएं बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में योग्यता अनुसार काम मिलने से प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर
दिन शानदार रहेगा। जल्दबाजी में किसी काम को करने से बचे। नियमों में अनदेखी ना करें। जीवन शैली में सुधार आएगा। कुछ अजनबी लोगों से मुलाकात होगी, जिनसे सावधानी बरतनी होगी।

कुंभ
दिन बढ़िया रहेगा। दांपत्य जीवन सुखमय रहने वाला है। व्यवसाय में किए गए प्रयास सफल रहेंगे। आवश्यक कार्य को समय रहते करना होगा। व्यवसायिक योजनाओ से अच्छा लाभ मिल सकता है।

मीन
दिन बढ़िया रहेगा। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग व सानिध्य भरपूर मात्रा में मिलेगा। किसी सरकारी काम में आप बहुत ही सावधानी बरतें।

झारखंड किन्नर समाज की प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी किन्नर से अनुपमा ने लिया आशीर्वाद

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): बढ़ते तापमान के साथ धनबाद में राजनीतिक लड़ाई तेज होती जा रही, अब तक धनबाद लोकसभा सीट के लिए डेढ़ दर्जन प्रत्याशियों ने आपका नामांकन पर्चा दाखिल कर लिया है, वैसे नामांकन वापसी और स्क्रूटनी के बाद तय होगा कि कुल कितने महारथी चुनाव मैदान में टिकते है, वैसे कांग्रेस और बीजेपी में सीधी टक्कर होने वाली है, अब बात करें किन्नर समुदाय से निर्दलीय प्रत्याशी सुनैना सिंह ने 03 मई को नामांकन पर्चा दाखिल कर चुकी है, इससे इतर इंडिया गठबंधन से कांग्रेस की प्रत्याशी अनुपमा सिंह अपनी राजनीतिक दांव चलते हुए रविवार को झरिया स्थित जामाडोबा में झारखंड किन्नर समाज की सबसे बड़ी नेता और उनकी झारखंड प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी जी के झरिया जामाडोबा स्थित आवास में मिलकर उनसे आशीर्वाद ली और इस लोकसभा चुनाव में जीत के लिए समर्थन मांगा,

आपको बता दे की किन्नर समुदाय के सुनैना सिंह भी धनबाद लोकसभा सीट से चुनावी ताल ठोक रही है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने कहा कि इस बार धनबाद परिवर्तन चाहती है।

जिसको लेकर धनबाद की जनता का अपार समर्थन मिल रहा है. इसी संदर्भ में चलाए जा रहे लगातार जनसंपर्क अभियान के तहत किन्नर समाज के प्रमुख गुरु माता छम छम देवी से मुलाकात किया वहीं छम छम देवी ने भी इंडिया गठबंधन को साथ देने का वादा किया

अवर न्यायाधीश ने किया धनबाद जेल का निरीक्षण, बंदियों को दी गई प्ली बारगेनिंग कानून की जानकारी

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने रविवार को लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल की टीम के साथ मंडल कारा धनबाद का निरीक्षण किया। जेल में कुल 636 दोषसिद्ध व विचाराधीन बंदी मिले। न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व अस्पताल में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालयों की साफ-सफाई का निर्देश दिया। कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने, शिक्षापरक एवं रोजगारपरक शिविरों का आयोजन कराकर उन्हें प्रशिक्षित किए जाने का निर्देश दिया।

इस दौरान कुछ ऐसे बंदी मिले जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम देखने में प्रतीत हो रही थी न्यायाधीश ने उन बंदियों को दूसरे बंदियों से अलग वार्ड में रखने का निर्देश जेलर को दिया तथा एलएडीसीएस को निर्देश दिया कि उनके घर वालों से संपर्क कर उनके जन्म संबंधी प्रमाण पत्र की व्यवस्था करें और आवश्यक कार्रवाई करें। न्यायाधीश ने महिला बैरक में निरुद्ध कुल 26 महिला बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान जेलर को निर्देशित किया गया कि सभी बन्दियों का वर्तमान डेटा जेल के पैरा लीगल वालेंटियर (विधिक स्वयंसेवक) के माध्यम से कम्प्यूटर पर फीड कराया जाए। निरुद्ध सभी महिला बन्दी स्वस्थ पायी गयीं। न्यायाधीश ने चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। उन्होंने जेल प्रशासन को बंदियों को नियमानुसार सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए और कहा कि प्रशासन की ओर से किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इससे पूर्व मंडल कारा धनबाद में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदु , डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने बंदियों के अधिकार, जमानत संबंधी प्रावधान व प्ली बारगेनिंग अधिनियम, हाईकोर्ट द्वारा चलाए जा रहे यूटीआरसी स्कीम के बारे में जानकारी दी।

अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने वैसे बंदी जो साधारण अपराध के मामलों में जेल में बंद है तथा जो अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं है उन्हें यूटीआरसी स्कीम के तहत 15 मई तक कानूनी प्रक्रिया द्वारा जमानत याचिका दायर करने का निर्देश एलएडीसीएस को दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की स्थापना की गई है।

इसमें ऐसे बंदी जो अपना अधिवक्ता स्वयं करने में आर्थिक रूप से असमर्थ हैं उनके मुकदमे की निशुल्क पैरवी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार में चीफ, डिप्टी चीफ व असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल की नियुक्ति की गई है उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों की समस्याओं के समाधान के लिए लीगल एड डिफेंस काउंसिल से निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करें इसके लिए बंदी आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकार को भेजें।

इस मौके पर डिप्टी जेलर दिनेश वर्मा, एलडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, एलएडीसीएस के असिस्टेंट काउंसिल डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरव सरकार, पीएलवी, शिव शंकर, उज्ज्वल शर्मा उपस्थित थे।

पोस्टल बैलट व होम वोटिंग के लिए पदाधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) सह प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता के नेतृत्व में श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) महिला महाविद्यालय में पोस्टल बैलट एवं होम वोटिंग के लिए राजपत्रित पदाधिकारियों (गैजेटेड ऑफिसर्स) तथा माइक्रो ऑब्जर्वरों को प्रशिक्षण दिया गया।

इसकी जानकारी देते हुए डीसीएलआर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के अनुसार लोकसभा चुनाव में चुनावी कार्य व आवश्यक सेवा में लगे कर्मियों को पोस्टल बैलेट तथा 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता, 40% से अधिक दिव्यांग मतदाता, जिन्होंने होम वोटिंग का विकल्प चुना है, को होम वोटिंग की सुविधा प्रदान करनी है।

वहीं जिला प्रशासन ने होम वोटिंग एवं पोस्टल बैलेट से शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने का निर्णय लिया है।

साथ ही बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी को मतदाता को पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी देने, मतदान के बाद पोस्टल बैलट को मोड़ने, वीडियो रिकॉर्डिंग करने, बरकरार रखने, सीलिंग करने, पोस्टल बैलट स्ट्रांग रूम में जमा करने, सभी तरह के प्रपत्र, लिफाफे, एनेक्सचर सहित अन्य विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

डीसीएलआर ने बताया कि होम वोटिंग के दौरान मतदाता का घर ही मतदान केंद्र होगा। मतदान केंद्र की तरह वहां वोटिंग कंपार्टमेंट लगेगा। पोलिंग पार्टी के साथ सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। होम वोटिंग के साथ पोस्टल बैलट के लिए विभिन्न फेसिलिटेशन सेंटर में प्रतिनियुक्त राजपत्रित पदाधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया।

पोस्टल बैलट के लिए एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, गुरु नानक कॉलेज, पुलिस लाइन, गोल्फ ग्राउंड, जैप-3 गोविंदपुर, जीआरपी, धनबाद पॉलिटेक्निक, कृषि बाजार, निरसा पॉलिटेक्निक तथा रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में फेसिलिटेशन सेंटर बनाया जाएगा।

मौके पर डीसीएलआर संतोष गुप्ता, पोस्टल बैलट कोषांग के संजय कुमार झा, अंचल अधिकारी धनबाद शशिकांत सिंकर, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद, जिला मत्स्य पदाधिकारी उषा किरण, जिला कृषि पदाधिकारी शिव कुमार राम, कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र नाथ ठाकुर, मास्टर ट्रेनर दिलीप कुमार कर्ण, राजकुमार वर्मा, पुष्कर चंद्र झा, महफूज आलम, अशोक तिवारी, सुभाष कुमार, कुमार वंदन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

धनबाद के रूपलाल को टाटानगर जमशेदपुर में बंधुआ मजदूर बनाया गया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा क्षेत्र के ख़ास करके ग्रामीण क्षेत्रों के पढ़े लिखे शिक्षित बेरोजगारों को ठिकेदार बिचौलियों के द्वारा बंधुआ मजदूर बनाने के ख़बरें आते रहते है. ताज़ा मामला प्रकाश में आया है कि धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा थाना क्षेत्र खरनी पंचायत के साधोबाद के रूपलाल महतो उम्र लगभग 24 वर्ष और उनके साथ आस पास के कई बेरोजगार शिक्षित युवाओं को ठिकेदार बिचौलियों के द्वारा अच्छे वेतन का प्रलोभन देकर टाटानगर जमशेदपुर के घाटशिला क्षेत्र मेसर्स रीया इंटरप्राइज व रोयल हेल्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक नन बैंकिंग नेटवर्किंग कंपनी में ले जाया गया ज्योनिंग के नाम पर पंद्रह हज़ार रुपए सभी से लिया गया और बंधुआ मजदूर बनाके रखवा है। मजदूर के परीजनों पिता शनिचर महतो और उनके माता के द्वारा कहा गया कि उनके बेटे रुपलाल के साथ - साथ आस पास के कई युवाओं को बंधक बना लिया गया है घर भी आने नहीं दिया जा रहा है और ना ही वेतन दिया जा रहा है वहां पर बंधुआ मजदूर बने साधोबाद के एक लड़की किसी तरह भागकर साधोबाद गांव पहुंचकर आपबीती परीजनों को बताई, ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिलते ही झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के धनबाद जिला मिडिया प्रभारी रंजीत कुमार महतो साधोबाद जाकर परीजनों से सभी प्रकार की समस्याओं से अवगत हुए और त्वरित कार्यवाई करते हुए धनबाद जिला प्रशासन, जिला प्रवासी नियंत्रण कक्ष और श्रम अधिक्षक धनबाद और जमशेदपुर जिला प्रशासन को सूचना देकर साधोबाद गांव के बंधुआ मजदूरों को अतिशीघ्र सकुशल घर वापसी के लिए आग्रह किया गया।

अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): महुदा थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलमच्चो- कुंजी जाने वाले रास्ते पर ग्रामीणों ने अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामीणों ने बाइकों पर लदे कोयला पकड़ा। ग्रामीणों की इस कार्रवाई को देख पीछे से आ रहे कुछ बाइक सवार वहां से भाग निकले। वहीं कुछ बाइक सवारों ने बाइक पर से कोयले की बोरियों को उतार दिया था ग्रामीणों को चकमा देकर वहां से भाग निकले। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा तीन बाइक व लगभग दो ट्रैक्टर कोयला जब्त कर थाना ले आई। ग्रामीणों ने बताया कि मधुबन थाना एवं खरखरी ओपी क्षेत्र से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में बाइक में अवैध कोयला की ढुलाई की जाती है। कोयले को दामोदर नदी पार कर बोकारो जिला के चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कई अवैध कोयला डिपो में खपाया जाता है। चालक बाइकों को तेज रफ्तार से चलाते हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। बाइक धीरे चलाने को कहने पर भी उन लोगों पर कोई असर नहीं हुआ। इसी से आक्रोशित होकर आसपास गांव के ग्रामीण एकजुट हुए और कार्रवाई की।

नहीं रहे राजगंज इंटर कॉलेज के व्याख्याता इनामुद्दीन

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): राजगंज इंटर कॉलेज के उर्दू विषय के व्याख्याता मोहम्मद इनामुद्दीन का शुक्रवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की सूचना मिलते ही कॉलेज परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। प्राचार्य मनोज कुमार ने दुख जताते हुए कहा कि मो. इनामुद्दीन पिछले 9 वर्षो से राजगंज इंटर कॉलेज में उर्दू के शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। वे कॉलेज में बर्सर के पद पर भी सेवा दे रहे थे। वे बहुत मिलनसार और कर्तव्य निष्ठ व्यक्ति थे। कॉलेज के सभी कर्मियों के साथ उनका सौहार्दपूर्ण संबंध था। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनके परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। कॉलेज परिवार ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। जहां कॉलेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी मौजूद रहे। इसके बाद कॉलेज आज बंद कर दिया गया।

जनता मजदूर संघ की लोकसभा चुनाव को लेकर आवश्यक बैठक

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): सचेतक सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह की उपस्थिति में जनता मजदूर संघ बस्ताकोला क्षेत्र के सभी शाखा सदस्यों के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर आवश्यक बैठक क्षेत्रिय अध्यक्ष राम कृष्ण पाठक के बस्ताकोला आवास पर संपन्न हुआ। इस दौरान उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए विधायक ने लोकसभा चुनाव 2024 की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अनुपमा सिंह के पक्ष में मतदान हेतु अपील की। साथ ही माइंस रेस्क्यू मैदान में कांग्रेस प्रत्याशी के उपस्थिति में होने वाली विशाल सभा के आयोजन के संबंध में भी चर्चा हुई। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सूरज सिंह, हरेराम सिंह, धीरेंद्र सिंह, हरे राम कुमार, अक्षय प्रसाद यादव, कृष्णा यादव, मुन्ना सिंह, राकेश सिंह, अभिषेक कुमार, दिलीप सिंह, पारस यादव, मनोज यादव, गौतम चौहान, टारजन भुइया, टाइगर चौरसिया, राहुल वर्मा, शोभा देवी, कंचन चौहान, नितेश पासवान, रमेश राम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मासस ने मनाया कार्ल मार्क्स की जयंती

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): रविवार को मार्क्सवादी समन्वय समिति, धनबाद जिला कमिटि की ओर से टेम्पल रोड पुराना बाजार स्थित केंद्रीय कार्यालय मे काल मार्क्स की जयन्ती के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कॉमरेड बिन्दा पासवान एंव संचालन सुभाष चटर्जी ने किया। गोष्ठी के प्रारंभ मे काल मार्क्स की तस्वीर पर माल्यार्पण एंव पुष्प अर्पित की गई। सर्व प्रथम मशविदा का सुभाष प्रसाद सिंह ने कार्यकर्ताओ के बीच पढ़कर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि के रूप मे मासस के वरीय नेता कॉमरेड हरि प्रसाद पप्पू ने मार्क्सवाद के जीवन संघर्ष को विस्तृत रूप से रखे और कहा कि भारत की राजनीति का भविष्य समाजवादी दिशा ही है। इसी रास्ते से एक नया और विकसित भारत बन सकता है। चुनावी राजनीत मे बड़ी-बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां लफाजी एंव उपरोक्षी वादो से देश को दिग्भ्रमित कर रही है। मासस जिलाध्यक्ष कॉमरेड बिन्दा पासवान ने कहा कि भारत मे समाजवादी क्रान्ति का रास्ता नई दलित क्रान्ति ही है जो कॉमरेड ए.के.राय ने कही है।

गोष्ठी को संबोधित सुभाष चटर्जी, सुभाष सिंह, विजय कुमार पासवान, नरेश पासवान, मायुमो जिला सचिव राणा चट्टराज, विश्वजीत राय, ललिता देवी, राकेश कुमार सिंह, रामलाल दा, बिनोद रवानी, संतोष रवानी, सुरेश पासवान, धर्म बाउरी, भुषण महतो, चौधरी भुईया, मो. औरंगजेब खान, मो.रियाज अंसारी, भोला रवानी, चन्द्र मोली पाण्डेय, मो. इम्तियाज, जगदीश साव, संजय पासवान सुशांत नायक आदि ने किया।

जयरामपुर बीसीसीएल अस्पताल में मुक्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): एएसजी आई हॉस्पिटल अशोक नगर धनसार धनबाद की ओर से रविवार को जयरामपुर बीसीसीएल अस्पताल में मुक्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 75 लोगों की आंख की जांच की गई जिन में 15 मोतियाबिंद के मरीज पाए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी प्रतिमा देवी बबलू रजक एवं मेवा लाल रजक ने किया। लोगों का जांच आई अस्पताल के डॉक्टर संजय रजक रवि कुमार सिंहा अभिषेक आनंद एवं तन्मय की चार सदस्य टीम की ओर से किया गया।

जांच के बाद डॉक्टर डॉ संजय रजक ने बताया कि 60 वर्ष के बाद किसी भी पुरुष या महिला में मोतियाबिंद का लक्षण पाए जाते हैं लेकिन अभी देखा जा रहा है कि बच्चों में भी यह बीमारी तेजी से फैल रही, उन्होंने बताया कि खास कर कोलियरी इलाके में आंख के बीमारी के लक्षण अधिक मात्रा में पाए जाते हैं, क्योंकि यहां का वातावरण सही नहीं है डस्ट एलर्जी है धूलकण से ज्यादा लोग परेशान है इसके अलावा खान-पान भी सही नहीं है. उन्होंने कहा कि बच्चे आजकल ज्यादातर मोबाइल चला रहे हैं जिस कारण भी बीमारी हो रही है। लोगों के मुफ्त जांच के बाद कई लोगों को आंख का चश्मा एवं ड्रॉप आंख में डालने की सलाह दी गई. जिन लोगों का मोतियाबिंद है उनको अस्पताल की ओर से निशुल्क यहां से ले जाएंगे और ऑपरेशन करने के बाद उनको पहुंचाया जाएगा. उनके पास आयुष्मान कार्ड आधार कार्ड एवं राशन कार्ड होना अनिवार्य है। धूप में निकलने से पहले सनग्लास का उपयोग करें कंप्यूटर में भी ग्लास लगाकर काम करने से आंख पर प्रभाव नहीं पड़ेगा जानकारी ही बीमारी से बचाव है। 6 माह के अंदर नियमित जांच करते रहे एवं डॉक्टर से सलाह ले हमारा उद्देश्य है ज्यादा से ज्यादा गरीब लोगों के बीच में जाएं और उनको मदद करें। मौके पर सहिया साथी रेखाभट्ट, सहिया रानी देवी सुनीता देवी शांति देवी मनोरमा गुप्ता रेखा साहनी, सरिता देवी सुलेखा देवी उमेश पांडे आदि लोग थे।

धनबाद लोकसभा से अनुपमा सिंह की जीत से नारीशक्ति का बढ़ेगा सम्मान:- रोहित यादव

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): राष्ट्रीय जनता दल धनबाद जिला की बैठक बलियापुर स्थित राष्ट्रीय जनता दल के जिला कार्यालय में संपन्न हुई राजद कार्यकर्ताओं ने धनबाद लोकसभा के इंडिया गठबंधन की लोकप्रिय प्रत्याशी अनुपमा सिंह को भारी मतों से विजई बनाने का संकल्प लिया बैठक में उपस्थित राजद के बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष रोहित यादव ने कहा धनबाद लोकसभा में अनुपमा सिंह की जीत से नारी शक्ति का सम्मान बढ़ेगा धनबाद लोकसभा की जनता महंगाई भ्रष्टाचार बढ़ते अपराध के खिलाफ मतदान कर अनुपमा सिंह को भारी मतों से विजयी बनाएंगे कार्यक्रम में राजद के जिला अध्यक्ष तारकेश्वर यादव, मुमताज कुरैशी के साथ राजद के पदाधिकारी एवम कार्यकर्ता उपस्थित थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL – 713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION, HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

टैगोर सोसाइटी ऑफ़ धनबाद ने कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजलि

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंतीआगामी 8 मई को है उसके पूर्व टैगोर सोसाइटी ऑफ़ धनबाद द्वारा रविवार को भारत स्काउट एंड गाइड, रेलवे क्लब परिसर में शांतिनिकेतन के प्रारूप में कविगुरु रविंद्र नाथ टैगोर को श्रद्धांजलि देते हुए रविंद्र नाथ टैगोर पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।टैगोर सोसाइटी ऑफ धनबाद के विश्वनाथ राय ने कहा यह कार्यक्रम कवि गुरु को उनके जन्मदिन पर श्रद्धांजलि देने के लिए 38 साल से हम लोग करते आ रहे हैं और यह सांस्कृतिक अनुष्ठान रविंद्र प्रेमियों के लिए है इस कार्यक्रम में धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा कोलकाता से भी कलाकार आए हैं। रवींद्रनाथ टैगोर के प्रेमी इस कार्यक्रम के लिए नृत्य संगीत की तैयारी सालों भर कर इस दिन का इंतजार करते हैं। टैगोर समिति के सदस्य सुवर्णा बनर्जी ने कहा कि यह कार्यक्रम शांति निकेतन के प्रारूप में जैसा की कवि गुरु रवींद्रनाथ चाहते थे उसी प्रकार से हम लोग प्राकृतिक वातावरण में जयंती को मानते हैं, यह कार्यक्रम शुरुआत से ही रविंद्र जयंती के पहले पड़ने वाले रविवार को मनाया जाता है यहां धनबाद एवं धनबाद से बाहर वाले गए कलाकार भी इस कार्यक्रम में आते हैं और रविंद्र नृत्य, संगीत व नाटक की प्रस्तुति देते हैं।

कार्यक्रम में अरूप रतन बनर्जी, राजदीप चटर्जी, अरुण बनर्जी, देवयानी विश्वास, लबोनी दत्ता, नंदिनी सेनगुप्ता, सुवर्णा बनर्जी, कुमकुम बनर्जी, इंद्रजीत चटर्जी, अरिजीत बनर्जी, अमित बनर्जी, सोमनाथ चक्रवर्ती, कुशन सेनगुप्ता, श्रेया चटर्जी, सविता भट्टाचार्य, मिताली मुखर्जी, मिताली चटर्जी, संचित बक्शी एवं सतोसानी राय, रोमा सिस्टर पायल नृत्य मलिक गोष्ठी, तबला वादक सुखेंदु दत्त, संजय मजूमदार, करुणा मुखर्जी, वासुदेव चक्रवर्ती बाजपेई, सिंथेसाइजर में दीपू बाजपेई शामिल थे।

चास गुरुद्वारा में श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर के आदेशानुसार हुआ 11 सदस्यों की कमेटी का गठन

कोलफील्ड मिरर 06 मई (धनबाद): बोकारो/ गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, चास, बोकारो, झारखंड में 11 सदस्यों की नई कमेटी का गठन हुआ। पिछले दिनों दिनांक 10 अप्रैल 2024 को श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर के आदेशानुसार 11 सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया था। अकाल तख्त के आदेश अनुसार धर्म प्रचारक भाई चरणजीत सिंह की देखरेख में 11 सदस्यों की कमेटी पहले अमृत पान कराने के उपरांत अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं धर्म प्रचार कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव किया गया।

धर्म प्रचारक भाई चरणजीत सिंह जी की मौजूदगी में 11 सदस्यों की उपस्थिति में सभी की सहमति से अध्यक्ष पद के लिए स. जसमीत सिंह सोढ़ी, उपाध्यक्ष स. हरपाल सिंह, सचिव स. सतनाम सिंह, उपसचिव स. मनदीप सिंह, कोषाध्यक्ष स. रविंदर सिंह, उपकोषाध्यक्ष स. इंद्रजीत सिंह एवं धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन स. हरबंस सिंह सलूजा एवं उप चेयरमैन स. साहिब सिंह जी को मनोनीत किया गया। वही निगरानी कमेटी की अध्यक्ष पद के लिए बीबी अमरजीत कौर एवं उपाध्यक्ष पद के लिए बीबी राजवंत कौर एवं बीबी जसबीर कौर को मनोनीत किया गया। आज कमेटी के नए सदस्यों के साथ कुल 58 सिखों ने अमृत पान किया।

धर्म प्रचारक भाई चरणजीत सिंह जी ने कहा की श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर के आदेशानुसार आज नई कमेटी का गठन किया गया है जिसमें सरदार तरसेम सिंह जी एवं सरदार भवनीत सिंह बिंद्रा जी का सराहनीय सहयोग रहा। उन्होंने नई कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि नई कमेटी गुरुद्वारा के सभी कार्यक्रमों का संचालन सुचारु रूप से करेगी।

संकल्प से साधना, सार्थक श्रम और मनोबल से उच्च कीर्तिमान स्थापित करें

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है।ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।।

संजीव स्तंभकार
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
चिंतक, स्तंभकार
रायपुर छत्तीसगढ़

पशु जीवन के साथ भी हो गरिमापूर्ण व्यवहार

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियाँ शामिल हैं जहाँ किसी जानवर की ज़रूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के ख़िलाफ़ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है: लेकिन "जीवन" शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी "आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा" के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन "जीवन" शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: दंड संहिता में संशोधन करके, जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सज़ा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा "जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना" है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुर्माना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुर्माना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।

प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा), निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा), कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसीए अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर-संज्ञेय (जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुर्माने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 1890 में निर्धारित है। जुर्माना महत्वहीन है (कई मामलों में ₹10 से कम) क्योंकि 130 से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुर्माना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है।

यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुर्माना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं 'सामुदायिक सेवा' के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है। जानवरों के लिए पाँच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुर्माने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुर्माने का प्रावधान जारी रखा गया है।

पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किये गये हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं। व्यक्ति" का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48ए पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 1960 जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है। यह चिकित्सा उन्नति सुनिश्चित करने की दृष्टि से प्रयोगों के लिए जानवरों के उपयोग की छूट देता है।

भले ही विधेयक का मसौदा कानून बन जाए, फिर भी अपराधियों के लिए मामूली जुर्माना भरना और अत्यधिक क्रूरता के कुछ कृत्यों के लिए कारावास से बचना संभव होगा। अपनी सीमाओं के साथ, मसौदा विधेयक का अधिनियमन भारत में पशु कानून के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। "भारत को दुनिया के सभी देशों के लिए एक महान उदाहरण स्थापित करना चाहिए। हमें एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए, इसलिए नहीं कि मुझे लगता है कि हम श्रेष्ठ हैं लेकिन क्योंकि हमने किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं अधिक अहिंसा के बारे में बात की है, इसलिए जितना अधिक हम इसके बारे में बात करेंगे, इसे व्यवहार में लाने की जिम्मेदारी उतनी ही अधिक होगी। नई सरकार को यह जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए ताकि पीसीए अधिनियम (1960) में संशोधन अंततः दिन के उजाले को देख सके।

अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है: लेकिन "जीवन" शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी "आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा" के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन "जीवन" शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

मानवता को शर्मसार करती मानव तस्करी

मावनता को शर्मसार कर देने वाली मानव तस्करी सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग है, मानव तस्करी आधुनिक दुनिया में होने वाले सबसे विनाशकारी मानवाधिकार उल्लंघनों में से एक है। हर 30 सेकंड में एक व्यक्ति या बच्चे की तस्करी की जाती है, 3.8 मिलियन वयस्कों की तस्करी की जाती है और उन्हें यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है, और हर साल दस लाख बच्चों को जबरन यौन शोषण के लिए तस्करी कर लाया जाता है, बंधुआ मज़दूरी भारत की सबसे बड़ी मानव तस्करी की समस्या है, जिसमें पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को कर्ज़-बंधन, पिछली पीढ़ियों से विरासत में मिले ईंट-भट्टों, चावल मिलों और कारखानों में काम करने के लिये मजबूर होना पड़ता है।

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: मानव तस्करी में बल, धमकी या जबरदस्ती जैसे तरीकों का उपयोग करके व्यक्तियों को परिवहन करना, भर्ती करना, स्थानांतरित करना, आश्रय देना और प्राप्त करना शामिल है। इन कृत्यों और साधनों का अंतिम उद्देश्य इन व्यक्तियों का शोषण के उद्देश्य से उपयोग करना है। इन व्यक्तियों का शोषण वेश्यावृत्ति, अंग व्यापार, यौन शोषण, जबरन श्रम, दासता और दासता जैसे विभिन्न अत्यंत अपमानजनक रूप लेता है। जिन व्यक्तियों की तस्करी की जाती है उनमें सबसे अधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की होती है जिनका उपयोग विभिन्न अनैतिक प्रकार के श्रम या यौन शोषण के लिए किया जाता है।

मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और इसे मानव तस्करी का स्रोत, पारगमन और गंतव्य माना जाता है। किसी एक राज्य की सीमाओं के भीतर तथा अंतरराज्जीय मानव तस्करी के अलावा नेपाल और बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी भी काफी लंबी खुली सीमा होने के कारण भारत में होती है। पश्चिम बंगाल मानव तस्करी का नया केंद्र बनकर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनियाभर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं।

एक अनुमान के अनुसार पिछले एक दशक में बांग्लादेश से लगभग 5 लाख महिलाएँ, लड़कियाँ और बच्चे अवैध रूप से भारत में लाए गए और यह संख्या साल-दर -साल बढ़ती ही जा रही है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल आज भारत का सबसे बड़ा सेक्स बाज़ार बनकर उभरा है और आँकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। देशभर के कोठों में देह व्यापार करने वाली जो लड़कियाँ रिहा कराई गईं, उनमें प्रति 10 लड़कियों में से 7 उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना से लाई जाती हैं। इन लड़कियों में सबसे बड़ा डर पकड़े जाने का होता है, क्योंकि जब इन्हें रिहा कराकर घर वापस भेजा जाता है तो सामाजिक बदनामी से बचने के लिये परिवार वाले इन्हें स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं।

पकड़े जाने से बचने के लिये इन लड़कियों के दलाल अपने रहने का ठिकाना और मोबाइल के सिम कार्ड लगातार बदलते रहते हैं। बांग्लादेश के साथ लगा बेनोपोल बॉर्डर मानव तस्करी के लिये दलालों द्वारा सर्वाधिक प्रयोग में लाया जाने वाला रास्ता है और बांग्लादेशी दलालों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने मज़बूत ठिकाने बना लिये है। बांग्लादेशी लड़कियों को आकर्षक रोज़गार, वेतन और सुविधाओं के अलावा विवाह तथा फिल्मों में काम करने का लालच देकर भारत लाया जाता है, जहाँ मुंबई, हैदराबाद और बंगलूरु इनके पसंदीदा ठिकाने माने जाते हैं।

तस्करी उन स्थानों पर पनपती है जहां व्यापक गरीबी है। माता-पिता अपने बच्चों को बेच देते हैं क्योंकि गरीबी के कारण उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचता है, वे अक्सर सोचते हैं कि अपने बच्चों को बेचने से वे उन जगहों पर चले जाएंगे जो बहुत बेहतर हैं और जहां उनके जीवन में सुधार होगा। समाज के सबसे कमजोर वर्गों में से एक, जो तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील है, युवा महिलाएं हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश समाजों में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महिलाओं को अवमूल्यन और अवांछित माना जाता है और इस तरह वे तस्करी की प्रथा के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं।

उन जगहों से पलायन करने की इच्छा जहां उनका जीवन दयनीय है, व्यक्तियों को तस्करों से संपर्क करने के लिए तैयार करती है जो शुरुआती चरणों में उन्हें बेहतर जीवन के वादे के साथ लुभाते हैं, लेकिन एक बार जब पीड़ित उनके नियंत्रण में आ जाते हैं, तो उन्हें झुकाने के लिए जबरदस्ती के उपाय लागू किए जाते हैं। अन्य कारण हैं सीमाओं की छिद्रपूर्ण प्रकृति, भ्रष्ट सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों या नेटवर्क की भागीदारी और सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए आव्रजन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों की सीमित क्षमता या प्रतिबद्धता।

पिछले कुछ वर्षों में तस्करी का खतरा ड्रग सिंडिकेट के बराबर एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट बन गया है। इसने पैसे और भ्रष्ट राजनेताओं की मदद से समाज में अपनी जड़ें गहरी जमा ली हैं। भारतीय कानूनी ढांचे में ठोस परिभाषाओं की कमी भी इस उद्देश्य में मदद नहीं करती है क्योंकि विभिन्न तस्कर कानूनी प्रणालियों में तकनीकी खामियों के आधार पर छूट जाते हैं। ठोस परिभाषाओं के बिना भी, कानून पर्याप्त होने चाहिए थे, लेकिन भारत में इन कानूनों के कार्यान्वयन में बहुत कुछ अधूरा रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर निगरानी की कमी ने तस्करों के लिए अपना व्यापार जारी रखने के लिए एक नया मंच खोल दिया है।

तस्करी की समस्या पर डेटा अपर्याप्त है, इसलिए तस्करों के पैटर्न और कार्य तंत्र उतने स्पष्ट नहीं हैं जितना होना चाहिए। यहां तक कि जब पीड़ितों को तस्करों से बरामद किया जाता है तो उनका पुनर्वास इस तरह से नहीं किया जाता है कि वे दोबारा तस्करी का शिकार न हों। मानव तस्करी का खतरा बहुत बड़ा है और न केवल ऐसे अपराधों को रोकने की जरूरत है बल्कि यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि राहत और पुनर्वास प्रक्रिया सुचारू रूप से हो। नीतियों में और सुधार करने की आवश्यकता है और विभिन्न एजेंसियों और हितधारकों द्वारा उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। मानव तस्करी से सुरक्षा का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है।

के हर बच्चे, हर पुरुष और हर महिला को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए इस अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए। मानव तस्करी वर्तमान विश्व के सम्मुख उपस्थित कई बड़ी समस्याओं में से एक है। तमाम कोशिशों के बावजूद इसे रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है और न केवल अल्प-विकसित और विकासशील देश बल्कि विकसित राष्ट्र भी इस समस्या से अछूते नहीं है। मानव तस्करी भारत की भी प्रमुख समस्याओं में से एक है।

प्रियंका सौरभ

काजल की कोठरी में साफ सुथरे

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: आपको "अपने मुंह मियां मिट्ठू" मालूम ही होगा और जानकारी यह भी होगी कि "लंबे हाथ अपनी पीठ भी बेहतर ढंग से थपथपा" सकते हैं, शाबाशी में। वैसे दिया नहीं जान पाता की उसके तले में अंधेरा है, ठीक वैसे ही जैसे लाल गूंजा या रत्ती अपने कालिख या कालेपन को नजर अंदाज कर अपने को साफ सुथरा और गोरा समझता है। बिल्कुल इसी तरह सारी कौवों के बीच बैठा एक भूरा कौवा अपने आपको अगर गोरा दूध का धुला समझे तो क्या किया जा सकता है? बस आजकल यही बात हो रही है।

चारणभाटों की बातें उन्हें शायद उतनी भाती नहीं जितना अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने से भाती होंगी। उन्होंने बयान दे दिया "मैं बेदाग हूं।" सारे साथी अपने अपने गिरेबान झांकने लगे कि बेदाग वे भी तो होंगे जब बड़े भैया बेदाग हैं। लेकिन सबके सब गिरेबान दागदार निकले सिर्फ बड़े भैया का नहीं। एक साथी ने कहा हम तो कई कई दिन कपड़े मतलब गिरेबान नहीं बदलते जबकि भैया दिन में दस बार लिबास वही गिरेबान चेंज करते हैं तो दाग कैसे होगा? सभी ने सोचा "दिल बहलाने के लिए ग़ालिब ये खयाल अच्छा है।" वे दागदार कैसे हो सकते हैं? सुबूत मिटाना, बात बात में बात बदलना, लोगों का ध्यान दूसरी तरफ करने में माहिर जो हैं। किसी ने चूं चपड की तो बस उनके पीछे अपने कुत्ते दौड़ा देना कि बेटा अब बचके कहां जाओगे।

अवसर कोई भी हो पुराने इतिहास और कुछ खास लोगों को गरियाने में वे इन सालों में माहिर हो चुके हैं। लिबासों की तरह नाम बदलना, अपने चमचों के भजन में मगन होकर स्वयं को लगभग भगवान मान लेना उनके दागदार चरित्र के कुछ नमूने हैं। वैसे उनका पूरा जीवन काल ही कई दाग़ों का इतिहास है। कोई एक सच्ची बात उनके मुंह से नहीं निकलती। वे स्वयं को कभी विद्वान, कभी बिलकुल अनपढ़, कभी याचक और कभी हिमालय का तपस्वी तो कभी व्यापारी कहते नहीं थकते। अलग अलग संदर्भों के लिए उनकी मजेदार व्याख्यान हैं जिनमें सचाई बिलकुल उतनी ही है जितनी आजकल के किसी नेता में ईमानदारी।

एक बार चेहरे पर काला दाग़, शायद काजल का हो, दिख गया। उन्हें जब बताया गया तो वे बगले झांकने लगे। बोले "भीड़ भाड़ में लग गया होगा।" लेकिन उनके आसपास एक आदमी का फटकना मुश्किल है, भीड़ कैसी होगी ? दूर एक महिला मंत्री कजरारे आंखों से मंद मंद मुस्कुरा रही थी।झटपट जेब से रूमाल निकालकर वे बेदाग भैया दाग़ पोंछने लगे।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

खुलकर हंसे, हैप्पी हेल्दी रहें

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: इन दिनों टीवी, मौसम, मोबाइल, ट्रैफिक, ड्राइविंग, आउटिंग, खाना-पीना, घूमना-फिरना, मौज-मस्ती जैसे मुद्दों पर अक्सर चर्चाएं होती रहती है। कुछ लोग तो बड़े व्यंग्यात्मक लहजे में इन विषयों की बारीकियों पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं और मनोरंजन का साधन माने जाने वाले इन माध्यमों पर अपनी टिका टिप्पणी से खूब आनंद उठाते हैं। यदि केले के छिलके पर कोई पैर रखकर फिसल कर गिरता है तो लोग उस पर हंस सकते हैं, जबकि वास्तव में वह एक ट्रेजेडी है। लोग उस घटना को कॉमेडी के अंदाज से देखकर ह्युमर तलाशते हैं। यही बात राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर भी घटित होती है। नेताजी के त्रिया चरित्र के बारे में कोई घटना घटने पर उसे मिर्च मसाले के साथ प्रस्तुत किया जाता है। देखने का नजरिया और प्रस्तुत करने की शैली को कटाक्ष के रंग से रंग दिया जाता है की नेताजी का भविष्य धार में लटका दांव पर लग जाता है। जब नेताजी बेपरवाही से मुद्दे को टालते हैं तो मामला और भी हास्यास्पद हो जाता है। किसी सामाजिक गतिविधि के घटित होने पर उसे सोशल मीडिया के माध्यम से इस तरह उछाला जाता है कि वह चर्चा का विषय बन जाए। उस घटनाक्रम का ऑपरेशन कर चीर फाड़ करने में लोगों की अभिरुचि जागृत हो जाए। बस फिर क्या है मामला मिल गया तो पूरे मजे ले डालें। यदि वास्तविक हंसी ना भी आए तो बनावटी हंसी- ठिठौली का तड़का लगाकर जीवन को हसीन और रंगीन बना सकते हैं। यही फंडा अपना लेने से जीवन सफल और सार्थक बन जाता है।

आज की आपाधापी की ज़िंदगी में वैसे तो हंसी गुम ही हो गई है। तनाव इतना ज्यादा बढ़ गया है कि व्यक्ति सोचते रहकर समस्याओं का हल निकालते हुए अपना बहुमूल्य समय व्यर्थ गंवा देता है। परेशानियां से घबरा कर लोग ऐसे रास्ते ढूंढने का प्रयास करते हैं जिसमें तनाव से मुक्ति हो और मूड बेहतर हो सके।

दुनिया भर में कई रिसर्च हो चुके हैं जिनके नतीजे में पाया गया है कि जमकर हंसी ठहाके लगाने वाले लोग दीर्घायु व आमतौर पर स्वस्थ और सफल इंसान होते हैं। हंसने मुस्कुराने से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि हमारे तन-मन को और भी कई तरीके से फायदे मिलते हैं। इसलिए खुलकर हंसे और हैप्पी हेल्दी रहे। यह फार्मूला अपना लेने से जिंदगी के सारे दांव पेच, उठा पटक, चिंता-परेशानियां, वादे-इरादे माकूल तरीके से जिंदगी बिताने में कामयाब रहते हैं। अपने दैनिक रूटीन में बिना किसी दबाव और तनाव के हल्के से हर बात को लेने का मकसद बनाएंगे तो जिंदगी के आंगन में हंसी खुशी खेलकूद मचाएंगी।

अपने मन की बात सुनाने के लिए दूसरों के समय की आवश्यकता होती है, जब किसी के पास समय ना हो तो आप नाराज हो जाते हैं और हंसने-हंसाने की जिम्मेदारी से विमुख। अपना गंभीर नज़रिया बदलकर सही सकारात्मक सोच के साथ बिना किसी शिष्टाचार और भेदभाव के हर बात को मस्त अंदाज में लेने का काम करेंगे तो लाफ्टर योग आपके जीवन का अभिन्न अंग बन जाएगा। किसी भी बात पर टीका टिप्पणी करते समय ध्यान रखें कि कोई किसी की दुखती रग पर गलती से भी हाथ न लग जाए। दोस्तों के समूह या रिश्तेदारों के बीच कोई ऐसी शख्सियत अवश्य होती है जो चुटकी लेने के अंदाज से सबका मन मोह लेती है, ऐसों का साथ और सानिध्य पाने का जतन करें तो हंसी का पिटारा आपको खुलकर जीने की सांसें प्रदान करेगा।

आपने कभी मॉर्निंग वाक के दौरान देखा होगा कि कुछ लोग जोरदार ढंग से हंसी ठहाके लगाते हैं जबकि उनके इर्द-गिर्द आपको हंसने की कोई खास वजह नजर नहीं आती है। आप इन्हें सिरफिरा समझने की भूल कर सकते हैं, परंतु पहले जान ले कि यह लोग लाफ्टर थेरेपी का काम कर रहे हैं। आजकल बड़े शहरों में ही नहीं छोटे गांव में भी लोग लाफ्टर थेरेपी का खूब लाभ उठाते हैं। न्यूरो साइंटिस्ट का मानना है कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्यों हंसते हैं? आप दिन भर में कई बार छोटे-छोटे चुटकुलों में भी हंस लेते हैं तो जीवन की गुणवत्ता में सुधार आ जाता है। पॉजिटिव फीलिंग आती है और रोग प्रतिरोधक क्षमताएं बढ़ती है। अक्सर डॉक्टर्स हार्ट की प्रॉब्लम या मधुमेह की बीमारी से परेशान पीड़ित मरीज को 10 से 15 मिनट खुलकर हंसने की सलाह देते हैं ताकि धमनियों में ब्लॉकेज को कम किया जा सके और इंसुलिन लेने के डोज की मात्रा को नियंत्रित किया जा सके। हंसना एक ऐसी थेरेपी है जिसके कई सारे फायदे हैं जिसमें हमारी सांस लेने की ताकत और क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी को कम करने के लिए कैलोरीज़ को बर्न किया जा सकता है। मेटाबॉलिज्म को इंप्रूव किया जा सकता है। वेट कंट्रोल का प्रोग्राम बनाया जा सकता है। मसल्स को एक्सरसाइज दी जा सकती है ताकि स्ट्रेस से निजात मिल सके।

आज दुनिया में डिप्रेशन के मामले बहुत बढ़ गए हैं। लोग इसके लिए कई तरह के उपचार कर रहे हैं, एंटी डिप्रेसेंट दवाई ले रहे हैं और बहुत सा पैसा खर्च कर रहे हैं। रोज थोड़ी सी हंसी की खुराक ले लें तो निराशा की भावनाएं कम होने लगती हैं। फील गुड हारमोंस और केमिकल एंडोर्फिन का स्त्राव होता है तो मूड अच्छा रहता है। कई शोधकर्ता अपने अध्ययनों में बता चुके हैं कि हंसने से शरीर में कार्टिसोल और एप्रिनेफ्रिन जैसे स्ट्रेस हार्मोन का लेवल भी काम करते हैं साथ ही इससे हैप्पीनेस हार्मोन जैसे सेरोटोनिन और ऑक्सीटोसिन भी रिलीज होते हैं, जिससे हमारा मूड अच्छा रहता है।

जर्मनी के पोतो वारबर्ग नामक वैज्ञानिक ने सिद्ध किया है कि अधिकतर बीमारियों का कारण है शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन का नहीं मिलना। दरअसल हमारी सांस की गति बहुत धीमी होती है। हंसना किसी प्राणायाम की तरह है जो फेफड़ों की गंदी हवा को बाहर करके ऑक्सीजन को अंदर खींचता है। हंसना किसी एरोबिक एक्सरसाइज से काम नहीं क्योंकि इससे रक्त संचार अच्छा होता है। शोध बताते हैं कि 10 मिनट हंसने से दिल की उतनी ऊर्जा मिलती है, जितनी 10 मिनट दौड़ने से मिलती है। फिर जनाब दिल के लिए हंसते रहिए।

हंसने से कई सामाजिक फायदे भी होते हैं। इसमें पर्सनल और प्रोफेशनल इमेज पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। हंसने-मुस्कुराने वाले लोगों का सामाजिक दायरा बड़ा होता है क्योंकि यह आसानी से सबको मित्र बना लेते हैं। प्रोफेशनल फ्रंट पर भी इस आदत का फायदा मिलता है। हंसी खुशी से रहने वाले लोग अपने कलीग्स और क्लाइंट्स को आकर्षित करने में सफल सिद्ध होते हैं। खुश मिजाज लोगों के जीवन में भय, असुरक्षा, क्रोध, प्रतिशोध, संताप जैसी दुख देने वाली भावनाएं नहीं होती उनकी जगह प्रेम उदारता और सेवा की भावना पैदा होती है।

डॉ. मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

संघर्ष से सफलता पाएगा

मंजिल का क्यों नहीं ध्यान तुझे,
कैसे हो जाती है, थकान तुझे,
खुद की नहीं है, पहचान तुझे,
समय का क्यों नहीं, भान तुझे?

पथ से कैसे, भटक गया है तू?
बाधाओं में कैसे, अटक गया है तू?
झूठी तकरारों में लटक गया है तू,
अगर-मगर में सिमट गया है तू।

तोड़ दीवारें आगे बढ़ने की ठान,
अपनी ऊर्जा को पहचान,
ग्रहण कर, हो सके जितना ज्ञान,
सबको हो तुझ पर अभिमान,

बड़ी सोच का जादू चला,
दुनिया मुट्ठी में कर दिखा।
काम में अपने जुटा रह,
प्रगति के पथ पर डटा रह।

संघर्षों से मंजिल पाएगा,
दुनिया में नाम कमाएगा।
औरों को राह दिखाएगा,
जीवन सफल हो जाएगा।

सोनल सिंह "सोनू"
कोलिहापुरी, दुर्ग (छ.ग.)
कोलफील्ड मिरर

निर्दलीय उम्मीदवार डॉ शत्रुध्न मंडल के नेतृत्व मे बाईक रैली

कोलफील्ड मिरर 06 मई (पटना/ अररिया): निर्दलीय उम्मीदवार डॉ शत्रुध्न मंडल के नेतृत्व मे सिक्टि विधान सभा मे लग भाग 1000 बाईक के साथ रैली निकाला गया. डॉ शत्रुध्न मंडल अपना चुनाव चिन्ह अलमारी छाप का प्रचा देते हुए अपना वोट मुझे देने का आग्रह किया. दिनाँक 7/5/2024 मत दान के दिन पहले मत दान कीजिए, फिर जल पान कीजिए। वंचित मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी रामा शीश चौहान ने वोटर से आह्वान किया, आज देश के पढ़े लिखे लोग चुनाव जीत कर संसद भवन पहुंचेगे तो आपके बच्चे के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ और कृषि पर योजना बनाने सदन मे लाएंगे तभी हमारे देश से बेरोजगारी दूर होगा और आप लोगों का सपना पूरा होगा, इस बार आप लोग दल का आह्वान पर वोट नहीं करना है कियो की वर्षो से आपलोग किसी ना किसी पार्टी के उम्मीदवार को जिताकर संसद भवन मे भेजने का काम किया, हमलोगों की समस्या वही के वही है। इसलिए इस बार दिल की आह्वान को सुनकर और अपना वोट निर्दलीय उम्मीदवार डॉ शत्रुध्न मंडल जी को दीजिए ये एक पढ़े लिखे उम्मीदवार है आपका बेटा भाई बनके आपकी सेवा करेंगे।

मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की दो-दो रैलियां सिंहभूम और लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में

कोलफील्ड मिरर 06 मई (रांची): कांग्रेस के स्टार प्रचारक पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की दो-दो रैलियां मंगलवार को सिंहभूम और लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में है। राहुल गांधी इन सभाओं में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। कांग्रेस की ओर से इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि राहुल की रैली को लेकर संबंधित जिलों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

कार्यक्रमों में गठबंधन दलों की ओर से अधिक से अधिक भीड़ जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 7 मई को अखिल भारतीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक दिवसीय दौरा को लेकर संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि राहुल गांधी सर्वप्रथम टाटा कॉलेज, चाईबासा में झारखंड मुक्ति मोर्चा की उम्मीदवार जोबा मांझी के समर्थन में दिन के 11:30 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद लोहरदगा उम्मीदवार सुखदेव भगत के समर्थन में 2 बजे गुमला जिला के बसिया के कोनवीर में चुनावी सभा में भाग लेंगे।

दोनों जगह पर आमसभा को सफल बनाने हेतु रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा के कार्यकर्ता एवं नेताओं को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभा स्थल पर तैयारियों की समीक्षा भी लगातार की जा रही है।

इसके अलावा इंडिया के घटक दलों एवं उम्मीदवार के साथ भी बेहतर समन्वय स्थापित कर सभा के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

झारखंड के प्रथम चरण में होने वाले चार सीटों के लिए राहुल गांधी का यह प्रथम दौरा है। इसके पूर्व भी राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत 8 दिनों तक झारखंड में रहे थे। इसी क्रम में झारखंड की समस्याओं को कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल किया गया था।

मतदान: युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम

"आज का हमारा मतदान, भविष्य को निर्धारित करेगा।"

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: नमस्कार दोस्तों!.., मतदान का अगला चरण मध्य प्रदेश में 7 मई को किया जाना है, जिसमें हम सबको सहभागिता अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारतीय लोकतंत्र में मतदान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो कि... नागरिकों को राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदार बनाती है। युवा वर्ग, जो हमारे देश के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उन्हें मतदान के महत्व को समझना और इसमें भाग लेना अत्यंत आवश्यक है।

मतदान के लिए जाना एक जिम्मेदारी के रूप में नहीं बल्कि एक समर्थन के रूप में देखना चाहिए। यह एक अवसर है जिसमें हर नागरिक को अपने देश के भविष्य का निर्णय लेने का अधिकार होता है।

"मतदान का मतलब है नागरिक की शक्ति, इसलिए हमें अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहिए।"युवा वर्ग को यह समझना चाहिए कि उनका मतदान न केवल उनकी स्वतंत्रता का प्रतीक है, बल्कि यह एक संवेदनशील नागरिकता का परिचायक भी है। युवा वर्ग को अपने हितों और मूल्यों के लिए उठने वाले मुद्दों के बारे में सकारात्मक रूप से सोचना चाहिए और उन्हें मतदान के माध्यम से अपनी आवाज़ बुलंद करने का अवसर भी मिलता है।

मतदान के लिए जाने का मतलब है न केवल एक नागरिक के अधिकारों का प्रयोग करना, बल्कि यह भी एक सामाजिक दायित्व है। मतदान करके हम समाज में परिवर्तन लाने के लिए सक्षम होते हैं और अपने देश के संविधानिक तंत्र को मजबूत करने में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

इसलिए युवा वर्ग को मतदान के लिए जाने का महत्व समझाना और उन्हें निरंतर जागरूक रहने के लिए प्रेरित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। यह सच है कि... एक बार अगर हम सभी मिलकर मतदान करते हैं तो हम अपने देश को मजबूत और सशक्त बनाने में मदद कर सकते हैं।

डॉ. सारिका ठाकुर "जागृति"
ग्वालियर, मध्य प्रदेश

देखो की अब तक करते आ रहे पाठ-पूजा से आपका अंतर का आंख कान खुल या नहीं खुला

पांच नाम का नामदान लेकर करोगे तो शिवनेत्र भी खुलेगा और जीते जी प्रभु का दर्शन भी होगा

कोलफील्ड मिरर 06 मई (बडौदा/ गुजरात): इस समय के युगपुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि शरीर की मुक्ति तो श्मशान घाट पर हो जाती है लेकिन आत्मा की मुक्ति नहीं हो पाती है। मुक्ति का मतलब इसको छुटकारा मिल जाए। बंधन से यह मुक्त हो जाए। कर्म से यह विहीन हो जाए, कर्महीन हो जाए। पूजहि विप्र सकल गुण हीना। यह रजोगुण सतोगुण तमोगुण से हीन हो जाए और अपने घर अपने वतन अपने मालिक के पास पहुंच जाए। यह लक्ष्य बनाना है हमको-आपको की अपना काम जल्दी से बना लेना है। अपनी जीवात्मा को उस प्रभु में मिला करके दु:ख की दुनिया से, संकट से दूर हट जाना है। तो यह कब संभव होगा? जब कोई रास्ता बताने वाला मिलेगा। तो रास्ता बताने वाले, अपने घर पहुंचने वाले भी हमेशा इस धरती पर मौजूद रहते हैं। जैसे अपने गुरु महाराज (बाबा जयगुरुदेव जी) थे। गुरु महाराज इसी काम के लिए इस धरती पर आए थे। उनका यही एक निशाना था कि- हम आए वही देश से, जहां तुम्हारा धाम, तुमको घर पहुंचना, एक हमारो काम। एक लक्ष्य, एक उद्देश्य की हम तुमको तुम्हारे घर पहुंचा देंगे। आपको भी एक निशान यह बनाना कि अब इस दुख के संसार में दोबारा फिर नहीं आना है। यहां से संकल्प लेकर के आप सब लोग जाओ।

अब तक आपका अंतर का आंख कान खुला या नहीं खुला?

कुछ लोग ऐसे भी हो जो पहले से गुरु बनाये हुए हो। और उन्होंने कोई न कोई नाम बताया ही होगा। हमको उससे एतराज नहीं है। अभी तक आपने पूजा-पाठ किया या जो भी अभी तक किया, उसका आप देखो फल, रिजल्ट क्या मिला? जीवात्मा परमात्मा का यह जो रिश्ता है, उस रिश्ते के बारे में आपको बोध ज्ञान हुआ या नहीं हुआ? वह प्रभु, जीवात्मा चेतन है। तो इस जीवात्मा से चेतन मिला या नहीं मिला? आपकी अंदर की आंख, अंदर का कान खुला या नहीं खुला? यह देख लो। नहीं तो अब जो बताया जा रहा है, इसको करके देखना। राजस्थान में बहुत बड़े विद्वान थे, अच्छे-अच्छे लोग उनके पास जाते थे। पूजा-पाठ, कर्मकांड कराते थे, पुजारी थे। नामदान लिया तो भजन करने लगे। तो किसी ने पूछा यह क्या करते हो आप? आप वह छोड़कर के इसमें ज्यादा ध्यान देने लग गए। तो या तो यही करो या वही करो। तो बोले वह मैं अपने शरीर के पालन, पेट के लिए करता हूं। हमारे बच्चे जो हमसे जुड़े हुए हैं परवरिश के लिए, उनकी परवरिश के लिए काम करते हैं। और अपनी आत्मा के लिए यह काम करते हैं। अब हमको रास्ता मालूम हो गया है की आत्मा की मुक्ति कैसे होगी। ऐसे जब समझ में आ जाता है आदमी को, तो वह लग जाता है।

मनुष्य शरीर किस लिए मिला है?

मनुष्य शरीर को किस काम में लेना है? शहंशाह, बादशाह, कुल मालिक, वह जयगुरुदेव धाम का मालिक, वह सतलोक का मालिक, उसको पाने के काम में लेना है। उसका साक्षात्कार करने के लिए यह मनुष्य शरीर मिला है। इस काम में लेना है। वह अगर मिल जाएगा तो समझो सारी चीजें मिल जाएगी। एके साधे सब सधे, सब साधे सब जाए। एक को अगर साथ लोगे तो सब सध जाएगा। जैसे एक-एक दाल पर नहीं बल्कि दाल की भगोनी में ही नमक डालते हैं, ऐसे ही आसानी से सब काम हो जाता है।

फोरलेन सड़क पर वाहन के धक्के से बाइक सवार एक की मौत, दूसरा रेफर

कोलफील्ड मिरर 06 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: थाना क्षेत्र के मकरनपुर और लक्ष्मीपुर के बीच निर्माणाधीन फोरलेन सड़क पर शनिवार की रात अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर उरांव टोला निवासी राजेन्द्र उरांव के पुत्र संजय उरांव के रूप में हुई है। जबकि बाइक के पीछे बैठा जग्गू उरांव का पुत्र चतरू उरांव गंभीर रूप से जख्मी हो गया।आसपास के लोग आनन फानन में रेफरल अस्पताल लेकर पहुचे जहाँ डॉक्टर ने जांच उपरांत संजय उरांव को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल चतरू उरांव का प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत देख बेहतर उपचार के लिये मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया गया है। वाहन का पता लगाया जा रहा।

जीवन्मुक्त महापुरुष भी ध्यान छोड़ सत्संग सुनते हैं - आचार्य भागवतानंद

कोलफील्ड मिरर 06 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती :- प्रखंड के परशुरामपुर पंचायत अंतर्गत खुशहालपुर दियारा में शिक्षक दम्पत्ति पूनम कुमारी व रामस्वरूप रजक के आवासीय परिसर में अखिल भावीय संतमत सत्संग महासभा का क्षेत्रीय मासिक सत्संग शिवनाथ बाबा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मचारी नवीन बाबा के द्वारा भजन-कीर्तन, स्तुति-विनती और सद्ग्रंथ पाठ से हुआ। वहीं मुख्य प्रवक्ता आचार्य स्वामी भागवतानंद जी महाराज ने कहा कि हनुमानजी, विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम, मार्कण्डेय, वेदव्यास, अश्वत्थामा, बलि ये आठ महापुरुष समाधि को छोड़ सत्संग सुनते हैं, इसीलिए ये अष्ट चिरंजीवी आज़ भी जीवित हैं।

मौके पर बोलोबम, अंजलि, अदिति, रामदेव, ममता, हेगुरु, ओमराम, नीतु, छोटू आदि मौजूद थे। घोषणा हुई कि अगला मासिक सत्संग, खवासपुर में होगा। श्रद्धालुओं ने भंडारे में भी भाग लिया। मंच का सफल संचालन शिवनाथ बाबा ने किया।

मैं बस यह सादगीपूर्ण पसंद करता हूं- राहुल गांधी

कोलफील्ड मिरर 06 मई (दिल्ली): राहुल गांधी सादगी पसंद करते हैं. वे अपने ट्राउजर की जेब में हाथ डालकर तेज गति से चलते हैं. कांग्रेस के 53 साल के नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में चुनाव कैंपेन के दौरान सवाल- "सफेद टी-शर्ट क्यों?" का जवाब दिया. हेलीकॉप्टर में चढ़ते समय राहुल गांधी ने कहा, "पारदर्शिता और सरलता.. और मुझे वास्तव में कपड़ों की ज्यादा परवाह नहीं है. मैं बस यह सादगीपूर्ण पसंद करता हूं." कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इंटरव्यू करने वाले की भूमिका निभाई. यह "लाइट रैपिड फायर" इन तीन नेताओं के बीच एक वीडियो चैट का हिस्सा था.

राहुल गांधी ने पूछा कि कैंपेन के दौरान क्या अच्छा लगता है और क्या खराब? इस पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- "नहीं खराब क्या, अच्छा ही लगता है क्योंकि हम यह सब देश के लिए कर रहे हैं. जो देश को खराब कर रहा है, हम उसे रोकने के लिए काम करते हैं. हमें एक आनंद मिलता है कि हम कम से कम हम देश के लिए कुछ अच्छा कर रहे हैं." कार में सिद्धारमैया की ओर मुड़ते हुए उन्होंने "लाइट रैपिड फायर" जारी रखा. उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता से पूछा कि वह क्या चुनेंगे, सत्ता या विचारधारा?

सिद्धारमैया ने कहा- विचारधारा, ऐसा इसलिए है क्योंकि विचारधारा हमेशा महत्वपूर्ण होती है. आपको पार्टी की विचारधारा और पार्टी के कार्यक्रमों को लोगों के सामने रखना होगा. और यदि आप सत्ता में हैं, तो आपको लोगों को हमारी उपलब्धियों के बारे में बताना होगा. तभी लोग निश्चित रूप से हमारे रुख को सराहेंगे और हमें आशीर्वाद देंगे." इस बीच कार में आगे की सीट पर बैठे कांग्रेस अध्यक्ष खरगे कहते हैं- "सत्ता तो आती है और जाती है, लेकिन विचारधारा को कायम रखना बड़ी बात है. इसके लिए हमारे नेताओं ने कुर्बानी दी है."

इसके बाद राहुल गांधी कहते हैं कि, "मैं खरगे जी और सिद्धारमैया जी, दोनों से सहमत हूं. मेरे विचार में आप एक बड़े संगठन के रूप में नहीं जा सकते, आप विचारधारा की स्पष्ट समझ के बिना सत्ता की ओर नहीं जा सकते. और हमें अपनी विचारधारा को लोगों को समझाना होगा - गरीब समर्थक, महिला समर्थक, सभी के साथ समान व्यवहार. इसलिए संगठनात्मक स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक लड़ाई हमेशा विचारधारा को लेकर होती है."

सन 2004 में चुनावी राजनीति में प्रवेश करने वाले राहुल गांधी से पूछा गया कि चुनाव प्रचार के बारे में सबसे अच्छी बात क्या है? उन्होंने कहा- "देखिए मेरे लिए यह अभियान लगभग 70 दिनों से चल रहा है. भारत जोड़ो यात्रा कोई अभियान नहीं था लेकिन काम करने के मामले में यह इससे भी कठिन था.. बिना रुके. इसलिए मैं काफी समय से चल रहा हूं. आप जानते हैं कि यह अजीब बात है, मुझे भाषण काफी पसंद हैं. यह सोचने पर मजबूर करता है कि देश को क्या चाहिए."

कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटें हैं और राज्य में दो चरणों में चुनाव हो रहे हैं. 14 सीटों के लिए मतदान 26 अप्रैल को हो चुका है और बाकी 14 सीटों पर 7 मई को मतदान होगा. वोटों की गिनती 4 जून को होगी. साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 28 में से 25 सीटें जीती थीं. कांग्रेस और जेडीएस, जो कि तब राज्य में गठबंधन सहयोगी थे, केवल एक-एक सीट ही जीत सके थे. इस बार बीजेपी और जेडीएस का गठबंधन है. बीजेपी 25 सीटों पर, जबकि जेडीएस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है.

किसानों का शिष्टमंडल एसडीपीओ 2 को सौंपा ज्ञापन, मक्का विक्री में सहयोग का किया मांग

कोलफील्ड मिरर 06 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड प्रमुख रश्मि कुमारी के नेतृत्व में किसानों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं का शिष्टमंडल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी 2 डॉ० अर्जुन कुमार गुप्ता से मिलकर ज्ञापन सौंपा, जिसमे मक्का लोड ट्रैक्टरों को व्यवस्थित ढंग से लगवाने व नियंत्रित करवाने की मांग की गई, ताकि किसानों के मकई फसल को देश के दूर-दराज इलाकों में रेलवे रैक के माध्यम से सुगमतापूर्वक भेजा जा सके, ताकि किसानों की उत्पादित मकई का लाभकारी मूल्य किसानों को प्राप्त हो सके।

वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी 2 ने किसान हित मे सहयोग का आश्वाशन दिया। इस दौरान शिष्टमंडल में भाजपा नेता ऋषिकेश सिंह, निशांत कुमार पाण्डेय, मिंकू तिवारी, दिनेश मंडल मौजूद रहे।

158 वें शिव शक्ति महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा को लेकर किया गया ध्वजारोहण

कोलफील्ड मिरर 06 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के गोराडीह में बाल संत त्यागी जी महाराज इंटरनेशनल भिखारी के सानिध्य में होने वाले 158 वें महायज्ञ को लेकर यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री व अन्य ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत धर्म-ध्वजारोहण कार्य सम्पन्न करवाया गया। इस दौरान प्रिन्स ओझा, रंजीत ओझा सहित अन्य धर्मपरायण लोग शामिल रहे। वहीं त्यागी जी महाराज ने 22 जून 2024 से आरम्भ होनेवाले शिव शक्ति महायज्ञ में क्षेत्रवासियों से तन- मन-धन के साथ समर्पित होकर महायज्ञ संपन्न करवाने का आह्वान किया है।

पुश्तैनी मकान

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: यह है 70 साल पहले सन 1953 में बने हुए हमारे पुश्तैनी घर की तस्वीर। बाबा जी हमारे चार भाई थे सबसे बड़े बाबा जी राजनारायण सिंह दूसरे नंबर के बाबाजी जो हमारे बाबाजी थे श्री देवनारायण सिंह तीसरे नंबर के बाबाजी श्री रामनारायण सिंह और सबसे छोटे बाबा जी श्री जयनारायण सिंह। इन चारों भाइयों का परिवार 1953 में बने हुए हमारे इस पुश्तैनी मकान में रहता था। सबसे बड़े वाले बाबा जी और तीसरे नंबर वाले बाबाजी से सिर्फ एक एक बेटियां ही हुई जबकि मेरे बाबा जी श्री देवनारायण सिंह जी जो कि शुगर मिल में सेवारत थे आपसे 6 पुत्र और चार पुत्री से भरा पूरा परिवार रहा, जबकि सबसे छोटे वाले बाबा जी जो कि रेलवे में उस समय सरकारी सेवा में पोस्ट थे उन्हें एक पुत्र और एक पुत्री से ही संतोष करना पड़ा।

मेरे बाबाजी के 6 बेटे इसी पुश्तैनी घर में पढ़े लिखे और सभी लोग इसी घर से विवाहित भी हुए और अपनी गृहस्थी शुरू की। मेरे बाबा जी श्री देव नारायण सिंह के 6 पुत्र में से उनके 4 पुत्र जहां सरकारी क्षेत्र में सेवा दे रहे थे तो वहीं 2 पुत्र व्यापार में नंबर वन स्थान पर रहे और आज भी हैं। मेरे बाबा जी के 6 पुत्र-सबसे जेष्ठ पुत्र१-स्वर्गीय राम नगीना सिंह-मार्केटिंग इंस्पेक्टर जो कि मेरे पिताजी थे। रवि प्रताप सिंह- कनिष्ठ लिपिक सहायक,हरि नारायण सिंह-बिहार (बगहा)इंटर कॉलेज में केमिस्ट्री के प्रवक्ता थे।ओम नारायण सिंह-कपड़े के बड़े व्यापारी और प्रमोद कुमार सिंह-शुगर फैक्ट्री में अधिकारी के पद पर वर्तमान समय में भी सेवारत हैं।अनिल सिंह-खाद बीज भंडार के बड़े व्यापारी।वही सबसे छोटे वाले बाबा जी जो कि रेलवे में पोस्ट थे उनके इकलौते पुत्र श्री प्रदीप नारायण सिंह जी पडरौना एलआईसी में विकास अधिकारी के रूप में वर्तमान समय में भी कार्यरत हैं।

यह सभी लोग इसी पुश्तैनी मकान में पढ़े-लिखे और अपने जीवन को नई दिशा और दशा दिए और परिवार के मान सम्मान को हमेशा आगे बढ़ाया। हमने भी अपने इस पुश्तैनी मकान को बड़े करीब से देखा हालाकि हमारी पैदाइश हमारे इस पुश्तैनी मकान में तो नहीं हुई पर परवरिश इस मकान में अवश्य हुई और शिक्षा दीक्षा भी। हमारे इस पुश्तैनी मकान की मिट्टी बड़ी उपजाऊ है ऐसा मेरे पिताजी कहा करते थे तब तो नहीं लगता था पर आज उनकी बातें चरितार्थ होते हुए देख रही हूं तो यकीन हो रहा है आज इस पुश्तैनी मकान ने 20 मकान कुशीनगर जनपद से लेकर लखनऊ तक खड़े कर दिए हैं। इस मकान में 12 कमरे हुआ करते थे सभी को एक-एक कमरे एलाट थे। गर्मियों के दिन में सबसे ज्यादा आनंद आता था जब सभी लोग छत के अपने-अपने हिस्से पर पानी डालते उसे ठंडा करते और उस पर सबका लाइन से बिस्तर लगा दिया जाता।

मुझे याद है जब बहुत अधिक गर्मी पड़ती और बरसात का आगमन हो गया रहता पर बारिश की बूंद से धरती तड़प रही होती थी तब मेरी दादी जी और बड़ी दादी जी, मम्मी, चाची जी घर की अन्य बहुएं सभी लोग छत पर बैठकर कजरी गाया करती थीं ताकि बारिश हो। और वाकई बारिश होती भी थी। बड़ा मजा आता था पर जब बारिश शुरू होती थी तब सभी अपना अपना बिस्तर बटोरते और नीचे भागने की अफरा-तफरी मत जाती अफरा तफरी इसलिए भी मचती कि घर के बीचोबीच बहुत बड़ा आंगन हुआ करता था जो चारों तरफ खुले बरामदे से घिरा हुआ था अब सब की होड़ इसलिए मची रहती थी कि जो पहले पहुंचेगा अपनी चारपाई अपना फोल्डिंग अपना तख्त डालकर पहले जगह पा जाएगा। जिसे लेट होता उसे अपने कमरे में ही गर्मी के समय में दुबक कर सोना पड़ता। जो पहले आता वह पहले पाता और मानो जैसे कि राजा बन जाता। गर्मी में कमरे में दुबक कर सोना पड़ता जब सुबह उठने में लेट होता तो मच्छरदानी के बांस की बाती से पीट-पीट के उठाया जाता। हमारे इस घर में अपना-अपना कपड़ा सुखाने के लिए रस्सी की अरगनी बांधी गई थी यहां भी होड़ लगी रहती जो पहले कपड़ा धो लेता उसका आधिपत्य अरगनी पर पहले हो जाता था।और जो लेट पहुंचता उसे छत पर जाकर जिसे छत की रेलिंग कहा जाता है उस समय हम उसे कटेहरी बुलाते थे उस पर ईंट रखकर के कपड़े सुखाए जाते ईट इसलिए रखा जाता कि कहीं हवा से कपड़े उड़ ना जाए।

छत पर जाने पर सभी कतराते थे और कतराएं भी क्यों ना अगर कहीं से बाबाजी लोग या चाचा जी लोगों की छत पर नजर दिन में पड़ जाती थी घर की कोई भी बहू या बेटी छत पर दिख गई,किसी का सर मात्र दिख गया तो फिर उसका सिर कलम करने का फरमान जारी हो ही जाता था। हालांकि छत की कटेहरी 4 से 5 फुट ऊंची बनाई गई थी याद आता है अगर कभी मम्मी-चाची लोग चढ़ती भी थी छत पर या अगर घर की बेटियों को ही दिन में छत पर चढ़ना पड़ जाता था तो हम झुक-झुक कर चलते थे कि कहीं से कोई घर का पुरुष हमें देख ना ले नहीं तो हमारी खैर नहीं। खैर जो भी हो हमारे इस पुश्तैनी मकान की बहुत सारी संयुक्त परिवार की संयुक्त यादें हैं। आज यह मकान इस रूप में भी नहीं रहा पूर्ण रूप से इसका आधुनिकीकरण कर दिया गया है मकान का बीच का मंडप आज भी जीवित है पर उस पर भी आधुनिकीकरण का चादर ओढ़ा दिया गया है। जहां इतने बड़े तीन खंड के इस पुश्तैनी दरबार में सोने की जगह नहीं मिलती थी, कपड़े टांगने की जगह नहीं मिलती थी, आज वहां पूरी जगह ही जगह पड़ी है।

अब तो सभी ने अपने अपने मकान खड़े कर लिए हैं और सभी के मकान में अब इतनी ज्यादा जगह हैं कि न कपड़े टांगने की किल्लत ना छत पर सोने की किल्लत खैर अब छत पर सोता ही कोई कहा है AC भरे कमरे में दिन और रात गर्मी के कट रहे हैं। अब दादी मम्मी चाची जी लोगों की कजरी कहां रही। बाबा जी बताते थे जब हमारा 1953 में यह घर बना तो लोग दूर-दूर से इसके नकाशी देखने के लिए आते थे हमारे ग्राम सभा में हमारा यह मकान चर्चा का विषय था। मकान के फ्रंट पर दो परियां और बीच में गणपति भगवान की एक मूर्ति विराजमान थी। हमारे इस पुश्तैनी घर के प्रवेश द्वार के ऊपर लिखा गया था, #नमो _नारायण_हरिओम_ हींऋगं_हरिओम।।

ग्रामसभा के लोग इसे बड़का दरबार बुला कर ही संबोधित करते थे। बाबाजी मेरे गांव के मुखिया के तौर पर भी नियुक्त थे गांव में कोई बात होती हमारे इसी पुश्तैनी घर के सामने लोगों का दरबार लगता और बाबा जी लोगों द्वारा न्याय किया जाता। हमारे इस पुश्तैनी घर के सामने एक बड़ा कुआं भी हुआ करता जो वर्तमान समय में भी मौजूद है गांव के लोग इसी कुएं से पानी निकाल कर अपने भोजन बनाने हेतु ले जाते थे भली-भांति याद आता है वह दृश्य। बाबा जी बताते थे कि यह आगे वाला मकान का पोरशन 53 सो रुपए में तैयार हुआ था। जबकि इसी मकान के बीच खंड का भाग जो कि 1978 में बना वह ₹8000 मात्र में बनकर तैयार हुआ जिस के बीचो बीच में छह कमरे हुआ करते थे।

1978 में बना हुआ ये मकान का बीचो बीच वाला खंड जिसे आधुनिकीकरण का चादर ओढाया गया है अभी भी जीवित अवस्था में हम सभी के साथ मौजूद है। बहुत सारी खट्टी-मीठी जुड़ी हुई यादें हैं इस पुश्तैनी घर से। याद करके अकेले आनंदित होती रहती हूं। पुराने एल्बम से पुश्तैनी घर की यह एकमात्र बची तस्वीर प्राप्त हुई तो सारी यादें जीवंत हो उठी सोचा आप सभी से साझा करूं।

हां एक बात बताना तो भूल ही गई आज इस बड़े पुश्तैनी दरबार की साजो-सज्जा जो आधुनिकीकरण का रूप ली है उसको डेकोर करने का काम चाहे राजमिस्त्री लोगों के द्वारा हो या खुद इंटीरियर डेकोर द्वारा वह मेरे मन और मस्तिष्क की ही उपज है। आज मेरी छोटी सी नौकरी ने इतने बड़े पुश्तैनी मकान की जिम्मेदारी मेरे कंधों पर डाल रखी है। आज इस पुश्तैनी घर में जो कि बिल्कुल मॉडर्न हो चुका है बदल चुका है, मेरे संरक्षण में और मैं इस पुश्तैनी घर के संरक्षण में पुष्पित और पल्लवित हो रही हूं। मेरे पिताजी ने इस मकान को इस वजह से नहीं छोड़ा कि वह इस परिवार के सबसे जेष्ठ पुत्र थे उन्होंने अपने इस पूर्वजों के धरोहर को संभालने की जिम्मेदारी अपने कंधे पर ले डाली। उनका कहना था कि सभी यहीं इसी पुश्तैनी मकान से आगे बढ़े हैं सभी छोड़कर इसे चले जाएंगे तो यह जर्जर हो जाएगा इसलिए उन्होंने इसका भार स्वयं के कंधे पर उठाया। हालांकि पिता जी के दोनों बेटे यानी कि मेरे दोनों छोटे भाई एक गोरखपुर और एक लखनऊ में रहते हैं जीविकोपार्जन हेतु। अपने घर में।

अब बस वह भी इस घर के लिए मेहमान ही रह गए हैं। अब तो यही लगता है कि जेष्ठ पुत्र होने के नाते पिताजी ने इस धरोहर के संभालने की जिम्मेदारी को लिया, जब तक रहे तब तक संभाला। और अब लगता है कि इस पुश्तैनी घर ने जेष्ठ पुत्र के इस बेटी को चुन लिया है अपनी देखभाल हेतु। खैर जब तक मैं इस पुश्तैनी घर के संरक्षण में रहूंगी मैं अपनी सेवा पूरी ईमानदारी के साथ दूंगी। यह मेरे पूर्वजों की धरती है जहां भिन्न-भिन्न प्रकार की उनकी यादें है जो इस पुश्तैनी घर में विस्थापित है इस आंगन को यहां की मिट्टी को मैं बारंबार प्रणाम करती हूं कि आपने मुझे चुना आपकी सेवा और देखरेख हेतु,अभी तक आपने मुझे अपनी छत्र-छाया में और अपने आंगन में पनाह दे रखा है, इसके लिए मैं जीवन पर्यंत आभारी रहूंगी, पुनः आपके इस मकान के एक-एक जर्रे को मेरा बारंबार प्रणाम।

मांडवी सिंह, 'रूबी',
लेखिका, शिक्षिका, कवयित्री, कथाकार
रामकोला- कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

जीवन विकास के कतिपय बिन्दु

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: जीवन में तरक्की, उन्नति और विकास आदि के लिये सर्वप्रथम हम नजरअंदाज करने का प्रयास करे। स्वस्थ तन मन के लिये शरीर के लिये पोषक आहार ले। स्वस्थ चिन्तन को जीवन की चर्या में ले व अनावश्यक कुछ भी बात चिन्तन को छोड़ समय के अनुसार चलते जाये नहीं तो संसार की इस दौड़ में हम पिछड़ जाएँगे। सबसे बड़ी बात यह है की हम इस चिन्तन में नहीं जाये और सोचे की दुनिया क्या कहेगी हमारे चिन्तन में जो अच्छा और उचित लगे वह हम हमारे समझ विवेक करते जाये। जीवन में विकास व प्रसन्नता का सबसे सफलतम तरीका असल में पुण्योदय से जो हमें प्राप्त हुआ, हम उसमें संतुष्ट रहें,इससे हमारा आत्मकल्याण निश्चित है। अतृप्ति दुःख का मूल कारण है, एक आदमी फटेहाल में भी खुश रह सकता है इस चिंतन से कि मेरे को पंचेन्द्रिय मनुष्यजन्म मिला है, ये मेरा अहोभाग्य है और एक दूसरा इसके विपरीत दूसरे पर मेरे से ज्यादा क्यों? के चिंतन में प्रसन्नता को भंगकर कुढ़ता रहता है अंदर ही अंदर और अपर्याप्त के पीछे भागता रहता है और अपना बहु कीमती मानुष जन्म गंवा देता है तो हम हमेशा पुण्योदय से प्राप्त में संतुष्ट रहते हुए प्रसन्न रहें जो स्वास्थ्य का भी मूलमंत्र है और विकास की ओर अग्रसर होने का भी। हमें अपने अनंत शक्तिमय और आनन्दमय स्वरूप को पहचानना चाहिए तथा आत्मविश्वास और उल्लास की ज्योति प्रज्ज्वलित करनी चाहिए, इसी से जीवन विकास के वास्तविक सुख का साक्षात्कार संभव है। इस तरह हमारा जीवन सम्भावनओ का स्रोत है और भी कतिपय बिन्दु हो सकते है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

क्यों आज हम याद तुम्हें आ गये

क्यों आज हम याद तुम्हें आ गये।
क्यों आज तुम मिलने हमें आ गये।।
कल तो नहीं थी तुम्हें मिलने की फुर्सत।
क्यों आज तुम मिलने हमें आ गये।।
क्यों आज हम याद---------------।।

देख रहा हूँ तुम्हारी कहाँ हैं निगाहें।
मेरा महल देख क्यों भरते हैं आहे।।
छूने से डरते थे तुम मुझको कल तो,
क्यों आज मिलाने हाथ तुम आ गये।।
क्यों आज हम याद---------------।।

कल तक की थी तुमने बुराई हमारी।
करते हो आज सबसे तारीफ हमारी।।
नहीं पूछते थे तुम कल हाल हमारा।
क्यों आज बिछाने फूल तुम आ गये।।
क्यों आज हम याद---------------।।

नहीं था कबूल कल क्यों साथ हमारा।
गैरों की बाँहों में था कल हाथ तुम्हारा।।
तोड़ा था क्यों तुमने कल ख्वाब हमारा।
क्यों आज बनाने साथी तुम आ गये।।
क्यों आज हम याद---------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

कटाक्ष

एक
वे खुद को सांप तो मान लेते हैं
लेकिन गले में गरीबों के
जिन्होंने शिव बनाने का प्रयास किया था
कैलाश सौंपा था
और वे सांप बनकर गरीबों के गलों में
पड़े पड़े डराते रहते हैं कि आवाज उठी
तो डस लिए जाओगे
कंठ में फांसी का फंदा बन
कस लिए जाओगे।

दो
स्वयं को कृष्ण मानने का भ्रम
उनमें ज्यादा है
तभी सामने वाले को शिशुपाल मान
गालियां गिनने का शौक पाला है
छोड़ कर सारे काम गालियां गिनते हैं
लेकिन भूल जाते हैं वे
कि देश के निर्माताओं और
इतिहास की उन्होंने इतनी खिल्ली उड़ाई है
जितनी गालियां बरसाई है
गिनने के लिए संगणक भी शर्मा जाए
हिसाब रखें तो तीन तीन
शिशुपालों का वध कम पड़ेगा
किसे अपनी गलतियां और गालियां गिनने
का दम पड़ेगा?

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

हाथों की लकीरों से तु भी तो बात कर

न शरमा मेरी आंखों को पढ़ मुझसे बात कर।
हम दोनों हैं तन्हा यहां कुछ भी तो बात कर।

रात युंही गुज़र जायेगी फिर हो जाएगी सुबह।
मेरे हमदम मेरे दोस्त मुस्कुरा कुछ तो बात कर।

बाद मुद्दत के मिले हैं,ये घड़ी ग़नीमत है समझ।
कल मैं कहां तुम कहां महबूब कुछ तो बात कर।

तुझको होगा गिला मुझसे मुझे कोई गिला नहीं।
ये तो मुकद्दर की बात है,तुभी तो रब से बात कर।

मिलता है वो भी नसीब में जो उसने लिखा नहीं।
मांग दुआ,हाथों की लकीरों से तुभी तो बात कर।

चल ख़त्म कर आपस के शिकवे गिले मुश्ताक़।
दिल मेरा टूट जायेगा मासूम है, इससे बात कर।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

समाजसेवी

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: आज की बेहतरीन लेख एक समाजसेवी पर आधारित है। वो समाजसेवी जो निरंतर बच्चों के लिए कार्य करता है। वो समाजसेवी लगभग 22-23 साल का एक युवा है जो अपनी मेडिकल की पढ़ाई मोतिहारी जिले से कर रहा है और उसका निवास स्थान कहीं और है। वह छात्र जो अपनी पढ़ाई के संघर्ष को झेल रहा है वो भी खुद कमाकर, इसलिए वो शिक्षा के महत्व को समझता है। समाजसेवी का एकमात्र उद्देश्य है वैसे बच्चे जो सड़क पर कूड़ा बटोरते हैं रेलवे स्टेशन पर या जगह-जगह सड़कों पर पैसे की भीख मांगते हैं। वैसे बच्चों को पढ़ा लिखा कर एक अच्छी वातावरण में डाला जहाँ वो कुछ अच्छा कर सकें क्योकि उनमे प्रतिभाओं की कमी नही है और ना ही उनमे आत्मविश्वास कम है कमी है तो बस शिक्षा की, सही तरीके की। बस समाजसेवी यही चाहते हैं कि जितना हो सकें वो उन बच्चो को शिक्षा दे और सरकारी स्कूलों में दाखिला करवाकर एक अच्छी जिदंगी दे। लेखिका यहाँ समझाती है सभी को- कि आज के समय में समाज सेवा के नाम सिर्फ काला धंधा हो रहा है इसलिए लगभग समाजसेवी को लोग गलत समझते हैं और उनकी मदद नही करना चाहते हैं। इसलिए ये जो युवा समाजसेवी है वो खुद मेहनत करके पैसे कमाते है और बच्चो को अपने मेहनत और लगन से बढ़ाते है। इनकी पढ़ाई भी है और इन्हे कमाना भी होता है इसलिए ये हर रोज शाम में बच्चो को पढ़ाते है। एक दिन की बात है इन्होने अपने बच्चों को पढ़ाया और पढ़ाने के बाद बच्चो को छुट्टी दे दी। छुट्टी देने के बाद ऐसे ही समाजसेवी घुमने के लिए निकल गए क्योकि उस दिन उनको काम से छुट्टी मिल रखी थी। तो वो ऐसे ही घूमते फिरते रहते है। तभी वो अपने विद्यार्थी को देखते हैं कि वो भीख मांग रहा था। समाजसेवी को बहुत दुख हुआ देखकर कि इतना कि इस बच्चे को पढ़ने के बाद भीख माँगना पड़ता है। जब समाजसेवी पास आए तो देखते हैं कि इतना छोटा बच्चा जिसकी उम्र 7 है वो खैनी खा रहा है। भीख मांगने से ज्यादा बुरा तो इस बात का लगा कि वो खैनी खा रहा है। तो फिर वो उसको उसके माँ-बाप के पास लेकर जाते हैं। तो देखते हैं कि उसकी माँ, बाप, उसका बड़ा भाई तीनों शराब पी रहे और किसी के हाथ में सिगरेट था तो किसी के हाथ में कुछ। यह सब देखकर वो समाजसेवी घर की तरफ आ गए और बहुत परेशान हो गए कि वो सोच रहे थे कि मै इस बच्चे को पढ़ा रहा हुँ तो वो अच्छे वातावरण में जाएगा। लेकिन उसके घर में ऐसा चल रहा है तो कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि बच्चे अच्छे बनेगे। इसलिए समाजसेवी ने दृढ़ संकल्प किया कि इन बच्चो के साथ साथ इनके माता पिता की भी प्रशिक्षण शुरु करनी होगी। वो लैपटॉप के माधयम से लोगो को समझाते है कि देखिए ये सब खाने-पीने से क्या क्या हो सकता है। कुछ लोगो को समझना आसान था लेकिन अभी भी कुछ लोगो को ऐसी लत लग चूँकी जिसको निकालना मुश्किल है लेकिन फिर भी वो हार नही मान रहे हैं और लगातार कार्य रहे है। उनकी आत्मविश्वास और हौसले को लेखिका नमन करती है। और सभी सदस्यों से निवेदन करती है कि आप सही और गलत की पहचान करके संगठनों की सहायत करें और आगे बढ़े।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

समाज सेवा शिरोमणि सम्मान 2024 से सम्मानित हुए युवा कवि डॉ राजीव डोगरा

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: ऑल इंडिया रियल फॉर कल्चरल, ऐजूकेशनल, वेलफेयर सोसाइटी, माँ गंगा बचाओ वेलफेयर सोसायटी, महिला कल्याण समिति बरेली उत्तर प्रदेश ने कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के युवा कवि लेखक तथा हिंदी अध्यापक डॉ राजीव डोगरा को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो के लिए समाज सेवा शिरोमणि सम्मान 2024 अलंकृत करते हुए गौरवान्वित किया। साथ ही उनको संस्था का राष्ट्रीय समन्वयक, हिमाचल प्रदेश बनाया गया। उनको यह सम्मान विश्व विख्यात गुरुदेव श्री श्री 1008 निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर परमपूज्य स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज (राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक), डाँ. रजनीश सक्सेना (संस्थापक /अध्यक्ष) डॉ. महेन्द्र सिंह बासु (संरक्षक /वरिष्ठ उद्योगपति), सी. एल. शर्मा (संरक्षक /वरिष्ठ उद्योगपति), राकेश कुमार अग्रवाल (संरक्षक /वरिष्ठ उद्योगपति), अनुपम कपूर(संरक्षक /वरिष्ठ उद्योगपति), योगेश कुमार पटेल (संरक्षक /वरिष्ठ उद्योगपति) ने वर्चुअल माध्यम से प्रदान किया। जनहित में अविस्मरणीय योगदान के लिए संस्था परिवार ने सहर्ष डॉ राजीव डोगरा को सम्मान पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आओ शादी समारोह को पवित्र रीति रिवाजों, संस्कारों धार्मिक अनुष्ठानों से गंभीरता से पूरा करें-आधुनिकता के दंश से बचें

भारतीय समाज में शादी एक पवित्र रिश्ता है, इसे केवल नाचगाने, खानेंपीने, शराब दहेज तक सीमित प्रचलन से रोकना ज़रूरी

विवाह समारोहों में बढ़ता दिखावापन, स्टेटस सिंबाल व घटते पारंपरिक रीतिरिवाजों संस्कारों धार्मिक अनुष्ठानों को समाज ने रेखांकित करना समय की मांग-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 06 मई (गोंदिया): श्विक स्तरपर भारत आदि अनादि काल से पौराणिक संस्कारों का गढ़ रहा है। परंतु कुछ दशकों से हम देख रहे हैं कि इस पौराणिक संस्कृत गढ़ को आधुनिकता के दंश ने विलुप्तता की ओर अग्रसर कर दिया है।आज दिनांक 1 मई 2024 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की पीठ ने भी अपने एक जजमेंट में स्पष्ट शब्दों में कहा है कि हिंदू विवाहों को वैध बनाने के लिए उचित संस्कारों व रीतियों का निष्ठा पूर्वक पालन होना चाहिए। जजमेंट की चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। एक ज़माना था जब शादी समारोह में पारंपरिक रीतिरिवाज संस्कार धार्मिक अनुष्ठान इतने होते थे कि 10 घंटे तक पूरी धार्मिक प्रक्रिया चलती थी मैंने खुद अपने बड़े भैया की 1983 में शादी में धार्मिक अनुष्ठान फेरे सब पारंपरिक रीति रिवाज अनुष्ठान की स्थितियां देखी थी जो अर्धरात्रि सुबह 4 बजे तक पूरे अनुष्ठान पूर्ण कर दूल्हा दुल्हन घर रवाना हुए थे, जो आजकल सैकड़ो हजारों में एक देखने को मिलेगा ऐसा मेरा मानना है आज शादी से लेकर हर पवित्र खुशी का अनुष्ठान पूरा करने के लिए हर व्यक्तियों द्वारा अपने हिसाब से तारीख व समय निर्धारित किए जाते हैं, अगर मैंनें इस क्षेत्र के विशेषज्ञ को कुछ हरे पीले अधिक दे दिए तो मेरे मन माफिक तारीख व समय उस अनुष्ठान के लिए वह निकालकर देगा, ऐसी अब कहावत नहीं बल्कि सत्यता बन चुकी है। धार्मिक अनुष्ठान रीति रिवाज हरे पीले के आगे प्रोफेशनलिज्म होने की कगार पर है, यानी जितनें अधिक हरे पीले देंगे उतनी तीव्रता से अनुष्ठान पूरा हो जाएगा, जो कार्य या धार्मिक अनुष्ठान पवित्र पूजन उस दिन या उस समय में वर्जित हैं, उसका भी कोई ना कोई उपाय निकालकर संपन्न करवा दिया जाता है। जो समाज को रेखांकित करना होगा। आज शादी केवल नाम मात्र की ही होते जा रही है, शादी से अधिक महत्व दूसरे अनेक कार्यक्रमों गाना बजाना, ढोल बताशा, दारू मदिरा पार्टी इत्यादि पूर्ण कार्यक्रमों को दिया जा रहा है। शादी का बजट बड़े-बड़े लोगों का करोड़ों में तो माध्यम लोगों को लाखों में हो गया है। शादी समारोह में रीति रिवाज संस्कार धार्मिक अनुष्ठान घटते जा रहे हैं व दिखावापन स्टेटस स्मबॉल बढ़ते जा रहा है। मेहमानों दोस्तों यारों रिश्तेदारों का केवल समारोह में शामिल होने का प्रचलन बढ़ गया है पर पवित्र रीति रिवाज संस्कारों में केवल परिवार वाले भी कभी-कभी शामिल नहीं होते, केवल माता-पिता दादा दादी वह कुछ धार्मिक प्रवृत्ति के लोग शामिल होते हैं जो अत्यंत ही खेदजनक है, जिसे समाज ने रेखांकित कर संज्ञान में लेकर सामाजिक कार्रवाई की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। चूंकि आज भारतीय समाज में शादी रूपी एक पवित्र रिश्ता केवल नाचगाने खाने-पीने शराब दहेज तक सीमित प्रचलन में हो गया है जिसका उल्लेख आज माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी किया है, उसे रोकना जरूरी है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी केसहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,आओ शादी समारोह को पवित्र रीति रिवाजों संस्कारों धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा करें,आधुनिकता के दंश से बचें।

साथियों बात अगर हम सनातन धर्म के 16 संस्कारों में पाणिग्रहण यानें शादी संस्कार की करें तो, सनातन धर्म में 16 संस्कारों को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।पाणिग्रहण संस्कार याने विवाह संस्कार को भी इन 16 संस्कारों में से एक माना जाता है। वैदिक संस्कृति में इन 16 संस्कारों के बगैर इंसान का जीवन सफल नहीं माना जाता। विवाह शब्द में 'वि' का मतलब विशेष से है और 'वाह' का अर्थ वहन करना है। यानी उत्तरदायित्व को विशेष रूप से वहन करना ही विवाह होता है। हिंदू शास्त्रों में इसे पति पत्नी का जन्म जन्मांतर का संबन्ध माना गया है। हिंदू धर्म में शादी का मतलब 7 जन्मों का साथ होता है। एक बार किसी के साथ 7 फेरे ले लिया तो उस रिश्ते को सात जन्मों तक निभाने का वादा करते हैं। विवाह हिंदू धर्म के सोलह संस्कारों में एक होता है। विवाह के दौरान पंडित कई सारी रस्में और मंत्र पढ़ते हैं। इन्ही रस्मों में लड़का और लड़की अग्नि को साक्षी

मानकर 7 फेरे लेते हैं। इन 7 फेरों को करते समय पंडित 7 वचनों को संस्कृत भाषा में बोलते हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 1 मई 2024 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच द्वारा दिए एक जजमेंट की करें तो, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में पवित्र संस्था का दर्जा हासिल है। यह नाचने गाने का आयोजन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हिंदू विवाह को वैध बनाने के लिए इसे उचित संस्कारों व रीतियों के साथ किया जाना चाहिए। विवाह से जुड़ी रीतियों का निष्ठापूर्वक पालन होना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने कहा, विवादों के मामले में रीतियों के पालन का प्रमाण पेश करना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी जरूरतों व पवित्रता को स्पष्ट किया। माननीय दो जस्टिस की पीठ ने कहा, पारंपरिक संस्कारों या सप्तपदी जैसी रीतियों के बिना की गई शादी को हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। दूसरे शब्दों में, अधिनियम के तहत वैध विवाह के लिए अपेक्षित रीतियों का पालन करना होगा। ऐसा न करने पर वह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं होगा। कोर्ट ने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 8 के तहत शादी का पंजीकरण विवाह के सबूत की सुविधा देता है, पर यह तब तक उसे वैधता नहीं देता है, जब तक विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार संपन्न नहीं हुआ हो।पीठ ने कहा, यदि हिंदू विवाह रीति-रिवाज के अनुसार नहीं किया गया है, तो पंजीकरण नहीं हो सकता। वैध हिंदू विवाह के अभाव में पंजीकरणअधिकारी अधिनियम की धारा 8 के प्रावधानों के तहत ऐसी शादी को पंजीकृत नहीं कर सकता। शीर्ष कोर्ट ने कहा, युवा पुरुषों व महिलाओं से आग्रह है, वे विवाह करने से पहले गहराई से जानें कि भारतीय समाज में विवाह कितना पवित्र है। विवाह गीत व नृत्य या शराब पीने-खाने का आयोजन नहीं है। यह ऐसा अहम आयोजन है, जो एक पुरुष व एक महिला में संबंध स्थापित करने के लिए मनाया जाता है, जो पति-पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। शीर्ष कोर्ट ने एक महिला की ओर से उसके खिलाफ तलाक की कार्यवाही स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर फैसला सुनाते हुए ये टिप्पणियां कीं। सुनवाई के दौरान, पति और पत्नी ने संयुक्त आवेदन कर यह घोषणा की कि उनकी शादी वैध नहीं थी। उन्होंने कहा, उनके द्वारा कोई विवाह नहीं किया गया, क्योंकि कोई रीति-रिवाज, संस्कार या अनुष्ठान नहीं किए गए। हालांकि, उन्हें एक जनकल्याण समिति (पंजीकृत) से प्रमाण पत्र लेने के लिए बाध्य होना पड़ा। तथ्यों के बाद पीठ ने घोषित किया कि यह वैध विवाह नहीं था। कोर्ट ने दर्ज किए मुकदमों को भी रद्द कर दिया।

साथियों बात अगर हम 1 मई 2024 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच द्वारा सुनाए ऐतिहासिक फैसले को 6 प्वाइंट्स में समझने की करें तो (1) हिंदू विवाह एक संस्कार और धार्मिक अनुष्ठान है जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में अपना दर्जा दिया जाना चाहिए। इसलिए, हम युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह करते हैं कि वे विवाह की संस्था के बारे में गहराई से सोचें और यह भी कि भारतीय समाज में यह संस्था कितनी पवित्र है। (2) विवाह गाने और नाचने और खाने-पीने या दहेज और उपहारों की मांग करने और अनुचित दबाव के जरिए लेन-देन करने का अवसर नहीं है। विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है. यह एक पवित्र आधारभूत समारोह है (3) सुप्रीम कोर्ट ने उन मामलों का भी जिक्र किया जहां जोड़ों ने अपनी शादी को व्यवहारिक कारणों की वजह से हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 8 के तहत रजिस्टर कराया, जबकि असल में शादी संपन्न नहीं हुई थी। अदालत ने कहा कि इसके खिलाफ चेताया और कहा कि सिर्फ रजिस्ट्रेशन से ही शादी वैध नहीं हो जाती। (4) अदालत ने विवाह संस्था को महत्वहीन न बनाने का आग्रह किया। (5) विवाहित जोड़े का दर्जा देने और व्यक्तिगत और स्थायी अधिकारों को स्वीकार करने के लिए विवाह के पंजीकरण के लिए एक तंत्र प्रदान करने के अलावा, हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 में संस्कारों और समारोहों को एक विशेष स्थान दिया गया है, इसका अर्थ है कि हिंदू विवाह केअनुष्ठान के लिए महत्वपूर्ण शर्तों का लगन, सख्ती और धार्मिक रूप से पालन किया जाना चाहिए। (6) हिंदू विवाह अधिनियम,1955 की धारा 7 के तहत रीति-रिवाजों और समारोहों का ईमानदारी से संचालन और भागीदारी सभी विवाहित जोड़ों और समारोह कराने वाले पुजारियों द्वारा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ शादी समारोह को पवित्र रीति रिवाजों, संस्कारों धार्मिक अनुष्ठानों से गंभीरता से पूरा करें-आधुनिकता के दंश से बचें। भारतीय समाज में शादी एक पवित्र रिश्ता है, इसे केवल नाचगाने, खानेंपीने शराब दहेज तक सीमित प्रचलन से रोकना ज़रूरी। विवाह समारोहों में बढ़ता दिखावापन, स्टेटस सिंबाल व घटते पारंपरिक रीतिरिवाजों संस्कारों धार्मिक अनुष्ठानों को समाज ने रेखांकित करना समय की मांग है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

डर के कारण या रणनीति के कारण राहुल अमेठी छोड़ी?

कोलफील्ड मिरर 06 मई 2024: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन किया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमलावर हो गए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड में अपनी हार भांप ली है, इसलिए उन्हें रायबरेली का रुख करना पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल पर हमला बोलते हुए कहा, 'अमेठी सीट से हारने के बाद वायनाड जाने वाले कांग्रेस के 'शहजादे' अब रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें पता है कि इस बार वह वायनाड भी हारेंगे।' राहुल ने अपनी मौजूदा संसदीय सीट वायनाड से भी नामांकन भरा था। इस सीट पर मतदान दूसरे चरण में ही संपन्न हो चुका है। सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री का यह दावा ठोस तर्कों पर आधारित है? क्या इस बार वायनाड से राहुल गांधी हार जाएंगे और क्या रायबरेली में वो अपनी मां सोनिया गांधी की विरासत को संभालने में कामयाब रहेंगे? सवाल है कि अगर राहुल वायनाड और रायबरेली, दोनों जीत गए या फिर दोनों जगह से हार गए तो क्या होगा?

बताया जाता है कि राहुल गांधी का अमेठी सीट छोड़कर रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला चुनाव हारने के डर से नहीं बल्किभाजपा की रणनीति को फेल करने की मंशा माना जा रहा है। 2024 का चुनावी माहौल पूरी तरह से मोदी बनाम राहुल के इर्द-गिर्द ही नजर आ रहा है। ऐसे में अगर राहुल गांधी अमेठी सीट से चुनाव लड़ते तो यह नैरेटिव बदलकर राहुल बनाम ईरानी हो जाता. इस तरह की कहानी गढ़ने से रोकने के लिए कांग्रेस ने अमेठी की जगह राहुल गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारने का फैसला किया.

अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते तो प्रियंका गांधी रायबरेली सीट से उम्मीदवार बनने को मजबूर हो जातीं। प्रियंका गांधी को लोकसभा चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। इसके पीछे वजह यह थी कि अगर प्रियंका गांधी चुनावी मैदान में उतरती हैं तो भाजपा को भाई-भतीजावाद के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरने का मौका मिल जाएगा। इतना ही नहीं अगर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों चुनाव लड़ते तो उन्हें अपनी-अपनी सीटों पर व्यस्त रहना पड़ता। ऐसे में देश के अन्य हिस्सों में भी कांग्रेस का चुनाव प्रचार प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही थी। अगर राहुल और प्रियंका अपने इलाकों में कम समय देते हैं तो इलाके के प्रति उदासीनता के आरोप लगने लगेंगे.

रणनीति के तहत कांग्रेस ने राहुल गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारा है ताकि उन पर प्रदेश से भागने का आरोप न लग सके और प्रियंका अन्य क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए भी उपलब्ध रहें। प्रियंका गांधी के अब उम्मीदवार नहीं होने सेभाजपा औरप्रधानमंत्री मोदी के लिए कांग्रेस पर भाई-भतीजावाद के आरोपों को गहरा करना मुश्किल होगा। इसीलिए राहुल गांधी को अमेठी की जगह रायबरेली सीट से मैदान में उतारा गया है ताकि चुनाव मेंभाजपा को कोई मौका न मिले।

स्मृति ईरानी एक बार फिर भाजपा के टिकट पर अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। वे पिछले चार महीनों से डेरा डाले हुए हैं। अगर राहुल गांधी अमेठी से स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ते और किसी कारणवश दोबारा चुनाव हार जाते तो कांग्रेस के साथ-साथ गांधी परिवार को भी इसका संदेश राजनीतिक रूप से बहुत गलत होता। इससे उत्तर भारतीय राजनीति में राहुल के लिए राजनीतिक राह बहुत मुश्किल हो जाती। माना जा रहा है कि इस दुविधा से बचने के लिए अमेठी की जगह रायबरेली सीट को चुना गया है।

रायबरेली में राहुल गांधी की हार का दावा करते हुए प्रधानमंत्री ने संसद में अपने भाषण की याद दिलाई। उन्होंने सोनिया गांधी पर तंज कसते हुए कहा, 'ओपिनियन पोल' या फिर 'एक्जिट पोल' की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मैंने संसद में बहुत पहले उनकी (कांग्रेस) हार की बात कह दी थी। जब उनके वरिष्ठ नेता अपनी लोकसभा सीट छोड़कर राजस्थान से राज्यसभा जा रहे हैं तो यह इस बात का सबूत है कि उन्होंने हार भांप ली है।' यह सच है कि रायबरेली में सोनिया गांधी की जीत का अंतर घटता जा रहा था। 2014 में सोनिया गांधी ने अपनी पारिवारिक सीट पर 3,52,713 (42.7) वोटों के अंतर से भाजपा कैंडिडेट अजय अगरवाल को हराया था। तब सोनिया गांधी को 5,26,434 (63.8%) वोट मिले थे जबकि अगरवाल को 1,73,721 (21.1%) वोटों से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन 2019 के चुनाव में सोनिया गांधी की जीत का अंतर सिमटकर 1,67,178 (17.44%) वोटों तक रह गया। तब सोनिया को 5,34,918 (55.78%) वोट मिले जबकि भाजपा कैंडिडेट दिनेश प्रताप सिंह ने 3,67,740 (38.4%) वोट हासिल करने में सफलता पाई। यानी एक चुनाव के अंतर में भाजपा ने रायबरेली में 17 प्रतिशत से ज्यादा वोट बढ़ा लिया जबकि कांग्रेस पार्टी 8% वोट घट गया। क्या इस बार भाजपा इस 17% वोट का अंतर पाट लेगी? आइए इस सवाल का जवाब उत्तर प्रदेश में ही गांधी परिवार के एक और गढ़ अमेठी में ढूंढने की कोशिश करते हैं।

पहले तो इस सवाल को ही परखें कि आखिर राहुल गांधी के वायनाड से जीतने पर संदेह क्यों जताई जा रही है? इसके पीछे बड़ी वजह है वायनाड में पिछली बार के मुकाबले इस बार राहुल के सामने खड़ी कैंडिडेट। राहुल गांधी ने पिछली बार मुस्लिम और ईसाई मतदाताओं के दबदबे वाले वायनाड लोकसभा सीट को सुरक्षित समझा था। अमेठी में हार की आशंका के बीच राहुल का यह फैसला सही साबित हुआ था और वो वायनाड में भाकपा प्रत्याशी को हराकर संसद पहुंच गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को वायनाड में 7,06,367 (64.7%) जबकि प्रतिद्वंद्वी सीपीआई प्रत्याशी 2,4,597 (25.1%) वोट ही मिले थे। इस बार हालात अलग हैं। प्रदेश के सत्ताधारी वाम गठबंधन ने इस बार अपना प्रत्याशी बदल दिया है। इस बार राहुल का भाकपा महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा से मुकाबला है। हालांकि, पिछली बार की तरह ही इस बार भी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का समर्थन राहुल गांधी को प्राप्त है। वायनाड के मुस्लिम मतदाताओं पर आईयूएमल का बहुत प्रभाव है, लेकिन एनी राजा का अपने सपोर्ट बेस है। इसलिए वहां राहुल के लिए जीत आसान नहीं बताई जा रही है।

वैसे देखा जाय तो कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार का रिश्ता अमेठी और रायबरेली से काफी पहले ही स्थापित हो गया था। रायबरेली के साथ नेहरू-गांधी परिवार का रिश्ता चार पीढ़ियों पुराना है और आजादी से पहले का है, जबकि अमेठी सीट से गांधी परिवार का लगाव 1977 से है, जब संजय गांधी ने चुनाव लड़ा था। सोनिया गांधी की सास इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ा था और जीतकर सांसद बने थे, उसके बाद इंदिरा गांधी ने अमेठी सीट को अपना कर्मस्थान बनाया था। 1967 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी ने यहां से जीत दर्ज की। इसके बाद वह 1971 और 1980 में सांसद बनीं। सोनिया गांधी 2004 से रायबरेली सीट से सांसद हैं।

रायबरेली लोकसभा सीट मोतीलाल नेहरू, पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और फिर सोनिया गांधी से जुड़ी है। आजादी से पहले किसान आंदोलन के दौरान 7 जनवरी 1921 को मोतीलाल नेहरू ने पंडित जवाहर लाल नेहरू को अपना प्रतिनिधि बनाकर भेजा था. इसी तरह 8 अप्रैल 1930 को यूपी में दांडी मार्च के लिए रायबरेली को चुना गया था और उस समय जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष थे, उन्होंने अपने पिता मोतीलाल नेहरू को रायबरेली भेजा था। इसके बाद से ही रायबरेली सीट से नेहरू-गांधी परिवार जुड़ा हुआ है। इसीलिए जब राहुल गांधी को रायबरेली और अमेठी में से किसी एक को चुनना था तो उन्होंने रायबरेली को चुना।

गांधी परिवार रायबरेली सीट नहीं छोड़ना चाहता, क्योंकि उससे उसका चार पीढ़ियों पुराना रिश्ता है। अमेठी सीट 1977 में बनी थी और संजय गांधी ने पहली बार यह चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। इसके बाद 1980 में वह जीतने में कामयाब रहे, उसके बाद से राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी चुनाव लड़े। अमेठी में राजीव और सोनिया अजेय थे, लेकिन राहुल गांधी लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद 2019 में हार गए। सोनिया गांधी 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं, क्योंकि वह राज्यसभा सांसद हैं और प्रियंका चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में राहुल गांधी वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन जब अमेठी या रायबरेली से चुनाव लड़ने की बारी आई तो उनके लिए रायबरेली को चुना गया।

वायनाड सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं, जहां से उनकी जीत तय मानी जा रही है। राहुल गांधी पर रायबरेली या कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ने का दबाव था। ऐसे में राहुल ने साफ कर दिया था कि उन्हें चुनाव लड़ने और हारने का डर नहीं है, लेकिन अगर वह चुनाव जीतते हैं तो वायनाड सीट नहीं छोड़ेंगे। ऐसे में कांग्रेस ने अमेठी की जगह रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया, क्योंकि गांधी परिवार के लिए अमेठी से ज्यादा अहम रायबरेली है। इसीलिए राहुल गांधी को अमेठी की जगह रायबरेली सीट से उम्मीदवार बनाया गया है और अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया गया है।

जानकर लोगों का कहना है कि अमेठी की जगह रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने के पीछे खास रणनीति ये भी है कि अगर राहुल गांधी दोनों सीटों से जीत जाते हैं तो उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना होगा. अगर राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के बाद दोनों सीटों से जीतने में सफल रहते हैं, अगर वह रायबरेली या वायनाड सीट छोड़ देते हैं तो प्रियंका गांधी वहां से वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर उपलब्ध होंगी. जिस तरह राहुल गांधी किसी भी सूरत में वायनाड सीट नहीं छोड़ना चाहते हैं, उसी तरह माना जा रहा है कि वह रायबरेली सीट छोड़ देंगे। ऐसे में प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़कर सांसद बन सकती हैं।

अशोक भाटिया